दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

MPHIN/2021/83938

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 197 | ग्वालियर सोमवार, 08 मई 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

और किसानों ने सरकार को दिया 15 दिन का अल्टीमेटम, कहा- अगर सरकार नहीं मानी तो 21 मई को...

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों के साथ-साथ किसान नेता राकेश टिकैत ने सरकार को अल्टीमेटम दे दिया है. पहलवान साक्षी मलिक, विनेश फोगाट के साथ-साथ राकेश टिकैत और महत चौबीसी खाप पंचायत के प्रधान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस बात की जानकारी दी है.संवाददाता सम्मेलन में कहा गया, ÷आज की पंचायत में फैसला लिया गया है कि हमारी खाप के लोग रोज यहां पर आएंगे अगर 15 दिन में सरकार नहीं मानी तो 21 मई को फिर मीटिंग होगी और उस मीटिंग में आगे क्या रणनीति होगी उस पर फैसला लिया जाएगा. खाप पंचायत के प्रधान ने कहा कि पहलवानों ने जो संघर्ष शुरू किया है हम सब चाहे खाप पंचायत हो या किसान संगठन को बाहर से समर्थन देंगे.रेंगे. बृजभूषण का इस्तीफा लेकर जेल में बंद किया जाए ताकि हमारी लड़कियों पर जिसने हाथ डाला है उसे अदालत की ओर से सजा दिलाई जाए. सरकार को 21 मई की डेडलाइन दे रहे हैं. इसके बाद एक बड़ा फैसला लिया जाएगा.उन्होंने कहा, ÷हमारे गांव के लोग दिन में आएंगे रात में चले जाएंगे. जिन लोगों को रात में रुकना है वह रुक भी सकते हैं. जो कमेटी पहले से तय हुई है वहीं कमेटी इस आंदोलन को चलाएगी. हम बाहर से सपोर्ट करेंगे. 21 तारीख तक सरकार बातचीत नहीं करती है और समाधान नहीं निकालती तो इसके बाद आगे की रणनीति फिर बनाएंगे. ये बच्चे हमारी और देश की धरोहर हैं. हम हर संभव मदद करेंगे. आज शाम को 7ः00 बजे कैंडल मार्च निकालेंगे.उन्होंने ये भी कहा कि ये आंदोलन लंबा चलेगा. इसके लिए हमें तैयार रहना होगा. पूरे देश में आंदोलन चलाने के लिए तैयार हैं. 21 तारीख को 5 हजार किसान जंतर मंतर कूच करेंगे.पुलिस परमीशन पर उन्होंने कहा, ÷आज भी तो पुलिस की परमिशन नहीं थी लेकिन फिर भी हम यहां आ गए. हमने कोई आंदोलन हाईजैक नहीं किया है. ये आंदोलन इन्हीं पहलवानों का है. हमारा तो बाहर से समर्थन है.विनेश फोगाट ने कहा, ÷सभी बड़े बुजुर्गों का सम्मान है. 21 तारीख के बाद हमारी तरफ से बड़ी कॉल ली जा सकती है. जो भी फैसला होगा वह हमारे कोच खलीफा सबका होगा. हमारा आंदोलन किसी ने हाईजैक नहीं किया है. हर देश की बेटी का आंदोलन है. लड़ाई कितनी भी लंबी हो हम लड़ने को तैयार हैं. हम कंपटीशन में जरूर हिस्सा लेंगे. हम प्लान कर रहे हैं कि हमारी ट्रेनिंग चलती रहे. हमारी एक ही डिमांड है कि बृजभूषण की गिरफ्तारी हो. उसके बाद उनकी इंटेरोगेशन हो.÷

जीबी पंत अस्पताल में इलाज कराने आई महिला से दुष्कर्म, अस्पताल में मौत

राजधानी दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में 40 साल की एक महिला के साथ दुष्कर्म के बाद बर्बरता करने का मामला सामने आया है. महिला की रविवार (7 मई) को मौत हो गई. जिसके बाद उसके परिजनों ने और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एलएनजेपी अस्पताल परिसर में धरना-प्रदर्शन किया. पीड़ति परिवार की मांग है कि इस मामले में पुलिस ने अभी तक सिर्फ एक ही आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि इसमें एक से ज्यादा आरोपी शामिल हैं. इतना ही नहीं पीड़ति परिवार ने पुलिस पर डराने धमकाने का भी आरोप लगाया गया है. साथ ही ये आरोप भी लगाया है कि ये घटना 1 मई की रात की थी, लेकिन पुलिस ने 3 मई को केस दर्ज किया है.पुलिस के अनुसार 1 मई की रात को पीड़ति महिला घायल अवस्था में एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराई गई थी. महिला जीबी पंत अस्पताल के गेट नंबर 6 पर खड़ी थी और उसने आसपास के लोगों से मदद मांगी थी. इसके बाद महिला को एलएनजेपी अस्पताल में लाया गया और उसे मेडिकल जांच कराने पर यह पता चला कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया है. महिला के शरीर पर चोट के निशान भी थे. उसके सिर में गंभीर चोट आई थी जिसकी वजह से उसे वेंटिलेटर पर रखा गया. महिला ने शुरुआत में जो बयान दिया था, उसमें शाकिर नाम के युवक का जिक्र किया था. उसने मोबाइल नम्बर के कुछ अंक भी बताए थे. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार रविवार दिन में महिला की मौत हो गई.पीड़ित महिला की मौत के बाद उनके परिवार के लोग सदमे में हैं. महिला के 5 बच्चे हैं. सभी का रो-रो कर बुरा हाल है. पीड़ित महिला के भांजे ने बताया कि हम लोग जाटव समाज से हैं. परिवार को इस घटना की जानकारी 2 मई की सुबह दी गई. जब हम लोग अस्पताल पहुंचे तो हमें मौसी से मिलने नहीं दिया. पुलिस ने हमें धमकाया और कहा कि ज्यादा बोलोगे तो बन्द कर देंगे. सिर्फ महिला के बेटे को वहां रोका, बाकि हम सब लोगों को भगा दिया.इस मामले की एफआईआर 3 मई को दर्ज की गई है. इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि पुलिस ने कितनी तत्परता दिखाई है. पुलिस ने सिर्फ एक ही आरोपी को गिरफ्तार किया है जबकि इस मामले में 6 से 7 लोग शामिल हैं. पीड़िता के भांजे ने ये भी कहा कि हमने अपने समाज के नेताओं, जो जगह-जगह प्रदर्शन करने पहुंचते हैं, से भी मदद मांगी थी लेकिन जब उन्हें आरोपी का नाम बताया तो उन्होंने हमारा फोन उठाना भी बन्द कर दिया.बजरंग दल ने महिला की मौत के बाद एलएनजेपी अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया. कार्यकर्ताओं ने बताया कि पीड़ित परिवार ने उनसे संपर्क किया और आप बीती बताई. जिसके बाद हमने इस परिवार की आवाज उठाने के लिए पहल की. आज हमें पीड़ित महिला की मौत की जानकारी मिली,

1988 से अब तक 42 सदस्यों ने संसद की सदस्यता गंवाई, 14वीं लोकसभा में सर्वाधिक अयोग्य ठहराए गए

हाल में लोकसभा की सदस्यता से राहुल गांधी को अयोग्य करार दिए जाने के बाद एक अधिनियम के प्रावधान सुर्खियों में आ गए हैं, इसके तहत 1988 से अब तक 42 सांसद अपनी सदस्यता गंवा चुके हैं. इनमें सबसे ज्यादा सदस्य 14वीं लोकसभा में अयोग्य करार दिए गए. प्रश्न पूछने के बदले धन लेने के मामले और %क्रॉस वोटिंग% के संबंध में 19 सांसदों को अयोग्य करार दिया गया.सांसदों को राजनीतिक पाला बदलने, सांसद के तौर पर अशोभनीय आचरण करने और दो साल या उससे ज्यादा की जेल की सजा वाले अपराधों के लिए कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराए जाने समेत विभिन्न आधारों पर अयोग्य करार दिया गया है.हालिया समय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक) के नेता मोहम्मद फैजल पी पी, और बहुजन समाज पार्टी (ब्रस्क) के नेता अफजाल अंसारी को कोर्ट ने दोषी माना जिसके बाद दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा के कारण अयोग्य करार दिया गया. इन्हें जन प्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों के तहत अयोग्य ठहराया गया.जन प्रतिनिधित्व कानून किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने और दो साल या उससे अधिक की सजा सुनाए जाने पर सांसदों और विधायकों की स्वत÷ अयोग्यता से संबंधित है.लोकसभा में लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व करने वाले फैजल को हत्या के प्रयास के मामले में उनकी दोषसिद्धि और सजा के बाद सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था. हालांकि, केरल हाई कोर्ट से फैजल की दोषसिद्धि और सजा रद्द किए जाने के बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई.काग्रेस नेता राहुल गांधी ने %मोदी उपनाम% टिप्पणी

को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में राहत पाने के लिए गुजरात हाई कोर्ट का रुख किया है. सूरत की एक कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई थी.साल 1985 में दल-बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद लोकसभा की सदस्यता से सबसे पहले कांग्रेस के लालदुहोमा को अयोग्य करार दिया गया था, जिन्होंने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए मिजो नेशनल यूनियन के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था. इस पार्टी का गठन लालदुहोमा ने ही किया था.नौवीं लोकसभा के समय जब जनता दल के तत्कालीन नेता वी पी सिंह ने गठबंधन सरकार बनाई थी, लोकसभा के नौ सदस्यों को दल-बदल विरोधी कानून के उल्लंघन का दोषी माना गया, जिसके कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया.हालांकि, 14वीं लोक सभा में सदन से सबसे ज्यादा सदस्यों ने अपनी सदस्यता गंवाई. इस दौरान 10 सदस्यों को संसद में प्रश्न पूछने के लिए रिश्वत स्वीकार कर अशोभनीय आचरण के लिए और नौ को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)-1 सरकार के विश्वास मत के दौरान 'क्रॉस-वोटिंग' के लिए अयोग्य घोषित किया गया था. जुलाई 2008 में वाम मोर्चे ने अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु समझौते पर समर्थन वापस ले लिया था, जिसके कारण सरकार को विश्वासमत का सामना करना पड़ा था.साल 2005 में बीजेपी के छह सदस्यों, बसपा के दो और कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल (ऋछष्ठ) के एक-एक सदस्य को 'प्रश्न पूछने के लिए धन लेने के' मामले में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था. बसपा के एक राज्यसभा सदस्य को भी सदन से निष्कासित कर दिया गया था.लोकसभा के पूर्व अतिरिक्त सचिव देवेंद्र सिंह असवाल ने बताया, ÷निष्कासन के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था. इनमें से किसी भी मामले को निष्कासन की मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा गया

द केरल स्टोरी का विरोध करने वाले आतंकवाद का करते हैं समर्थन, बोले अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने द केरल स्टोरी फिल्म को लेकर विपक्ष पर हमला बोला है. उन्होंने रविवार (7 मई) को हरियाणा में कहा कि केरल स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं है. ये एक बहुत बड़े षड्यंत्र को बेनकाब करती है. कुछ लोग ऐसे हैं जो अपने धर्म में बच्चियों को बहला-फुसलाकर आतंकवाद के रास्ते ले जाना चाहते हैं, उनका चेहरा केरल स्टोरी में बेनकाब हुआ है.उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं. अगर वे विरोध कर रहे हैं तो वे पीएफआई, आतंकवाद, आईएसआईएस का समर्थन करते हैं.

केंद्रीय मंत्री हरियाणा के सोहना में महाराणा राणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने आगे कहा कि महाराणा प्रताप अमर हैं, और अमर हैं उनकी वीरता के किस्से जो युगों-युगों से हमें राष्ट्र के लिए मर मिटने की प्रेरणा देते रहे हैं.द केरल स्टोरीफिल्म को लेकर इससे पहले पीएम मोदी ने भी कांग्रेस पर निशाना साधा था. उन्होंने शुक्रवार को कर्नाटक में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि ये फिल्म केरल में चल रही आतंकी साजिश का खुलासा करती है. कांग्रेस ने इसका विरोध किया है. देश का दुर्भाग्य देखिए. कांग्रेस आज समाज को तहस-नहस करने वाली इस आतंकी प्रवृत्ति के साथ खड़ी नजर आ रही है. गौरतलब है कि द केरल स्टोरी बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. फिल्म की कहानी केरल से कथित तौर पर गायब हुई महिलाओं की खोज पर आधारित है. इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग की गई थी. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस ने कहा था कि फिल्म में किया गया ये दावा सरासर गलत है कि 32,000 महिलाओं का धर्म परिवर्तन किया गया, उन्हें कट्टरपंथी बनाया गया और उन्हें भारत एवं दुनिया में आतंकी मिशन में तैनात किया गया. केरल हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था.

जीबी पंत अस्पताल में इलाज कराने आई महिला से दुष्कर्म

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में 40 साल की एक महिला के साथ दुष्कर्म के बाद बर्बरता करने का मामला सामने आया है. महिला की रविवार (7 मई) को मौत हो गई. जिसके बाद उसके परिजनों ने और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एलएनजेपी अस्पताल परिसर में धरना-प्रदर्शन किया. पीड़ति परिवार की मांग है कि इस मामले में पुलिस ने अभी तक सिर्फ एक ही आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि इसमें एक से ज्यादा आरोपी शामिल हैं. इतना ही नहीं पीड़ति परिवार ने पुलिस पर डराने धमकाने का भी आरोप लगाया गया है. साथ ही ये आरोप भी लगाया है कि ये घटना 1 मई की रात की थी, लेकिन पुलिस ने 3 मई को केस दर्ज किया है. पुलिस के अनुसार 1 मई की रात को पीड़ति महिला घायल अवस्था में एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराई गई थी. महिला जीबी पंत अस्पताल के गेट नंबर 6 पर खड़ी थी और उसने आसपास के लोगों से मदद मांगी थी.

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट

धूल भरी आंधी के साथ हुई झमाझम बारिश

नई दिल्ली। मई के महीने में भी उत्तर भारत में खासकर कि दिल्ली एनसीआर के लोगों को फरवरी जैसे मौसम का एहसास हो रहा है. रविवार (7 मई) को एक बार फिर दिल्ली एनसीआर में झमाझम बारिश हुई है. जिसके बाद तापमान में और गिरावट दर्ज की गई है. दिल्ली के शकरपुर, लक्ष्मी नगर, मयूर विहार समेत कई इलाकों में धूल भरी आंधी के साथ बादल बरसे हैं. राष्ट्रीय राजधानी में रविवार की सुबह न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से चार डिग्री कम है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आंशिक रूप से बादल रहने और कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बूंदाबादी होने का पूर्वानुमान जताया था. शनिवार को भी दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश हुई थी. इस दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था. दिल्ली के साथ-साथ कई अन्य राज्यों में भी बारिश हुई है. पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ समेत दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों में रविवार को बारिश हुई. जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई. राज्य मौसम विभाग ने ये जानकारी दी. मौसम विभाग के अनुसार चंडीगढ़, अमृतसर, लुधियाना, पठानकोट, गुरदासपुर, जालंधर, मोहाली और रूपनगर के कुछ हिस्सों में बारिश हुई. वहीं हरियाणा के रोहतक, भिवानी और झज्जर में भी सुबह हल्की बारिश दर्ज की गई. विभाग के मुताबिक, कुछ दिन पहले भी पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में बारिश हुई थी जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया था.

मणिपुर में नहीं संभल रहे हालात!

नई दिल्ली। देश का उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर हिंसा की आग में सुलग रहा है. सशस्त्र भीड़ गांवों पर हमला कर रही है, घरों में आग लगाई जा रही है, दुकानों में तोड़फोड़ की जा रही है. ऐसे में अब उन राज्यों की चिंता भी बढ़ गई है, जिन राज्यों के छात्र यहां पढ़ाई करते हैं. एनआईटी मणिपुर में महाराष्ट्र के कई छात्र पढ़ाई करते हैं. अब इन छात्रों की मदद के लिए महाराष्ट्र राज्य सरकार ने तत्काल मदद के कदम उठाए हैं. दरअसल, स्थानीय तनाव से एनआईटी मणिपुर में पढ़ने वाले छात्र बेहद परेशान थे. इसी के चलते उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छात्रों से फोन पर चर्चा की और उन्हें आश्वस्त किया और उन्हें हर संभव मदद देने का वादा किया है. फडणवीस ने छात्रों से बातचीत करने के तुरंत बाद मणिपुर सरकार से संपर्क किया और स्थिति की जानकारी ली. इसके बाद महाराष्ट्र के मुख्य सचिव ने भी मणिपुर के पुलिस महानिदेशक से संपर्क किया और स्थिति सामान्य होने तक इन छात्रों को तुरंत सुरक्षित माहौल में रखने का अनुरोध किया. इसके अलावा, महाराष्ट्र सरकार की तरफ से इन छात्रों को सुरक्षित महाराष्ट्र लाने के लिए तत्काल व्यवस्था की जा रही है. महाराष्ट्र प्रशासन लगातार स्थिति अधिकारियों ने कहा है कि हिंसा में जिन 54 लोगों की मौत हो चुकी है. इनमें से 16 के शव चुराचांदपुर के जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखे गए हैं. वहीं 15 शव जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रखे गए हैं. इसके अलावा इंफाल के पश्चिम में स्थित लाम्फेल में रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओर से 23 की मौत की पुष्टि की गई है.

सूडान से निकाले गए हक्की पिक्की जनजाति के सदस्यों से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (7 मई) को कर्नाटक के शिवमोगा में हक्की पिक्की जनजाति

के सदस्यों के साथ बातचीत की. इन लोगों को ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से सुरक्षित निकाला गया था. हक्की पिक्की जनजाति के सदस्यों ने उनकी समय पर और सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद दिया. उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि कैसे उन लोगों ने सूडान में कठिन परिस्थितियों का सामना किया और कैसे सरकार व भारतीय दूतावास ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की. उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने सुनिश्चित किया कि उन्हें एक खरोंच भी नहीं आए और यह सब प्रधानमंत्री के प्रयासों के कारण हुआ. उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दिल में उन्हें लगता है कि वह डबल इंजन नहीं बल्कि ट्रिपल इंजन की ताकत का प्रतिनिधित्व करते हैं. प्रधानमंत्री ने इस दौरान याद किया कि कैसे इस समुदाय के पूर्वज महाराणा प्रताप के साथ खड़े थे.

आजम खान को याद आए भगवान राम

नई दिल्ली। सेकुलर अंदाज में चुनाव प्रचार करने पहुंचे समाजवादी पार्टी नेता आजम खान ने जनता को हिंदू-मुस्लिम एकता का पाठ पढ़ाया. आजम खान ने यहां महात्मा गांधी के हत्या के समय निकले बोल हे राम का जिक्र किया. वहीं टीपू सुल्तान की हत्या के बाद अंग्रेजों द्वारा उतार कर ले जाई गई अंगूठी पर राम लिखा होना बताया. सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, मालूम है नौजवानों सुल्तान टीपू के हाथ से तो अंगूठी उतारी गई जो आज भी बलदानिया के म्यूजियम में है. यह बताओ उन लोगों को जो नफरत का संदेश देते हैं. नफरत का पैगाम देते हैं और फिर इंसान को इंसान से लड़ आते हैं. धर्म को धर्म से और जात को जाति से लड़ आते हैं. यह बलदानिया के म्यूजियम में सुल्तान टीपू की जो अंगूठी कत्ल करके उतारी गई थी. उसे रंग अंगूठी पर राम लिखा हुआ है. यह अंगूठी टीपू सुल्तान के हाथ से उतरी हुई थी, यह था हिंदुस्तान एक अंग्रेज के हाथों मारे हुए और एक अपनों के हाथों से कत्ल किए हुए बापू बापू के राम. आजम खान ने को संबोधित करते हुए कहा, हमारे ही वतन हिंदुस्तान में इमरजेंसी के नाम पर एक ऐसा दौर भी आया जब पूरे मुल्क को कहा गया कि कैद खाना बन गया. उस समय मैं बहुत छोटा था. अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ता था. तब वकालत की सबसे बड़ी डिग्री कर रहा था. यूनियन के लोग पकड़े गए मैं भी पकड़ा गया क्योंकि उस वक्त यूनियन का सेक्रेटरी था और वहीं सबसे बड़ा ओहदेदार होता था. सपा नेता ने आगे कहा, ÷मिसेस इंदिरा गांधी का जमाना था, जिसके नाम से हवाएं रुक जाएं. जिसने एक मुल्क के दो टुकड़े करा दिए, जिन्हें दुर्गा मां का खिताब मिला हो. इमरजेंसी की गलती ने उनके नाम को मिटा कर रख दिया. ऐसी आंधी चली कि कांग्रेस का नामोनिशान मिट गया. हम जैसे लोग एकतेदार में आए सरकारें बनीं. इस मुल्क में एक और दर्दनाक हादसा हुआ. उसमें इंदिरा गांधी की हत्या हुई. ये बहुत बुरा हुआ. इतेहा ही बुरा हुआ. उन्होंने कहा, किसी कानून के मुल्क में किसी की जान कानून के फैसले के बगैर ली जाना चाहे वह इंदिरा गांधी हो या कोई अदला सा इंसान हो वह कल भी गलत था और आज भी गलत है. लेकिन नतीजा क्या हुआ. इंदिरा गांधी की हत्या एक औरत की, एक वजीरे आजम की, एक मां की, एक बेटी की हत्या नहीं थी. एक बीवी की हत्या नहीं थी, बल्कि हिंदुस्तान की निजाम-ए-जम्हूरियत का कतल था.

विशेष स्वच्छता अभियान अंतर्गत शमशान घाट में की गई साफ-सफाई

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

शिवपुरी। नगर परिषद खनियाधाना को प्रथम बनाने में स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 को लेकर नगर पंचायत खनियाधाना द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले सप्ताह नगर को स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई और नगर वासियों को, दुकानदारों को निर्देश दिए गए थे। साथ ही नगर के तालाब से खजी हरितपन्नी बेल व अन्य गंदगी हटाई गई थी। इस क्रम में आज जन सहयोग से नगर के लोगों द्वारा शमशान घाट के कैंपस में सफाई कार्य में सहयोग किया गया। जिसमें नगर के वरिष्ठ नागरिक कुलदीप सिंह चौहान, सीएमओ सतीश कुमार दुबे, उपयंत्री पांडे, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सत्येंद्र साहू, वार्ड पार्षदगण, सफाई मित्रों एवं युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान नगर को सर्वश्रेष्ठ एवं सुंदर बनाने हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

देवेंद्रनगर की ट्रेफिक व्यवस्था हुई चौपट

थाना प्रभारी के गैर जिम्मेदाराना रवैए से आए दिन लगता है जाम

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

पन्ना जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित देवेंद्रनगर जिले का बहुत बड़ा व्यापारिक केंद्र है साथ ही लगभग 200 से ज्यादा गांवों का सीधा व्यापार और संपर्क भी देवेंद्रनगर से होने के कारण सड़कों पर भारी और हल्के वाहनों का काफी दबाव रहता है साथ ही अतिक्रमण की वजह से सड़कों का विस्तार भी कम हो चला है जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनती है और आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है। विशेषकर सलेहा रोड और चांदनी चौक पन्ना रोड वाले क्षेत्र में जरूरत से ज्यादा विवादित स्थिति निर्मित होना आम बात हो चुकी है। नगर की ट्रेफिक व्यवस्था को लेकर नगर वासी पुलिस की तरफ आस की नजरो से देखते जरूर है परंतु चौपट हो चुकी व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कोई ठोस योजना जमीनी स्तर पर थाना प्रभारी द्वारा क्रियान्वित होते नही दिख रही है।

ओवर लोड ऑटो फर्राटे भरते नाबालिक,अवैध परिवहन संबधी वाहन दिन भर नगर में धमा चौकड़ी मचाते देखे जा सकते हैं। इन सब समस्याओं के नियंत्रण के लिए थाना प्रभारी के द्वारा विशेष अभियान की महती आवस्यकता है,पर लगातार नकारत्मक कार्यशिली से अखबारों की सुर्खियां बटोरने वाले थाना प्रभारी की प्राथमिकताओं में ऐसी समस्याएं शायद नही है वरना इतने वक्त में रामराज्य न सही पर आमूलचूल परिवर्तन जरूर देखने मिलता। जिले के उच्च अधिकारियों को जनहितैषी मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

मैनपुर विकासखंड राजा पड़ाव क्षेत्र के 8 ग्राम पंचायतों सहित

65 पारा मैं तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य हुआ शुरू ग्रामीणों में छाई खुशी

संवाददाता हेमचंद नागेश

विकासखंड मुख्यालय मैनपुर राजापड़ाव क्षेत्र के 8 ग्राम पंचायतों सहित 65 पारा टोला में तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य शुरू नहीं हो पाया था जिसके कारण ग्रामीणों में मायूसी छाई हुई थी। गर्मी के सीजन में तेंदूपत्ता से जो आमदनी होती है। उसे कड़ी मेहनत से कमाया हुआ धन जो वरदान से कम नहीं होती है। उस आमदनी से शादी ब्याह सोने चांदी सहित जीविकोपार्जन में विशेष रुप से खर्चा आदिवासी मूलनिवासी परिवार किया करते हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में आय का मुख्य स्त्रोत भी तेंदूपत्ता को माना जाता है इसलिए हरा सोना भी कहा जाता है। राजापडाव क्षेत्र के ग्राम पंचायत अडगडी,शोभा, गोंना,कोकड़ी, भूतबेड़ा, कोचेंगा,गरहाडीह, गौरगांव एवं साहेबिनकछार पंचायत के कोदोमाली के अंतर्गत 31 तेंदूपत्ता फड़ जो अडगडी गोना,गौरगांव प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के अंतर्गत आता है।

आज से तेंदूपत्ता तोड़ाई हुआ शुरू कहीं तो आज भी नहीं-राजापडाव क्षेत्र में आज से तेंदूपत्ता तोड़ाई शुरुआत हो गई है सुबह से ही बच्चे बूढ़े जवान सहित महिलाएं जंगलों की ओर पहुंचकर सावधानीपूर्वक तेंदूपत्ता की तोड़ाई करते हुए पाया गया। क्योंकि जंगली हिंसक प्राणियों का डर हमेशा बना रहता है।

कुछ कारणों से एक दो जगह तेंदूपत्ता तोड़ाई शुरू नहीं होने की जानकारी मिल रही है-बेमौसम बारिश आंधी तूफान ओलावृष्टि से तेंदूपत्ता के तोड़ाई समय पर नहीं हो पाया जिसके कारण पत्ते कठोर और पत्तों में छेद से वनवासियों को इस वर्ष नुकसान ही उठाना पड़ेगा। समितियों में भी नियत तिथि सहित मात्रा लक्ष्य से कम तेंदूपत्ता आने की संभावना को नहीं नकारा जा सकता। सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीविकोपार्जन पर पड़ेगा।

पंचायत सचिव जिला मुख्यालय में रक्तदान पश्चात रैली निकालकर कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

संवाददाता हेमचंद नागेश

छुरा छत्तीसगढ़ प्रदेश पंचायत सचिव संगठन जिला इकाई गरियाबंद के अध्यक्ष प्रवीण साहू द्वारा जानकारी दिया गया है कि पंचायत सचिव अपनी लंबित मांग परिवीक्षा अवधि पश्चात शासकीय करण को लेकर प्रगतिरत आंदोलन को और उग्र करते हुए 8 मई को सभी जिला मुख्यालय में भूपेश है तो भरोसा है के नारा के साथ पदयात्रा रैली निकालकर भूपेश बघेल मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे एवं विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन कर पंचायत सचिवों द्वारा अधिक से अधिक रक्तदान किया जाएगा। उसके बाद 9 मई 2023 से जिला मुख्यालय में जिला के समस्त पंचायत सचिव भूख हड़ताल करने का निर्णय लिया गया।

विगत 16 मार्च से ब्लॉक मुख्यालय में काम बंद कलम बंद हड़ताल पर बैठे हुए हैं। हड़ताल का 55 दिन पूर्ण होने के बाद भी शासन प्रशासन द्वारा वार्तालाप नहीं करने के कारण सचिवों में रोष व्याप्त है, पंचायत सचिव के हड़ताल में चले जाने से शासन की महत्वकांक्षी योजना सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण, बेरोजगारी भत्ता फार्म, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना, किसान न्याय योजना, गोबर खरीदी, रिपा कार्य, गौठान के समस्त कार्य, मनरेगा के कार्य, जन्म मृत्यु पंजीयन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा पेंशन, मुख्यमंत्री पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, श्रद्धांजलि योजना, पेयजल आपूर्ति, वन अधिकार पट्टा वितरण, स्वामित्व योजना सर्वेक्षण, ग्राम सभा, बजट निर्माण, समस्त निर्माण कार्य एवं वित्तीय वर्ष के अंतिम होने से लेखा-जोखा के कार्य पूर्ण रूप से प्रभावित है। छत्तीसगढ़ प्रदेश पंचायत सचिव संगठन के जिला अध्यक्ष प्रवीण साहू द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि शासन प्रशासन

द्वारा किसी प्रकार की पहल नहीं करने के कारण एवं सरकार तक अपनी बात पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ के सभी धरना स्थल में भूपेश बघेल मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के नाम कांग्रेस के जिलाध्यक्ष को ज्ञापन दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा आगे बताया गया कि शासन/प्रशासन द्वारा पंचायत सचिवों के शासकीय करण के संबंध में कोई पहल नहीं करते हुए 24 घंटा में वापस लौटने का अल्टीमेटम जारी किया गया था जिसे ब्लॉक स्तरीय धरना स्थल में आदेश की प्रति को जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। अभी कुछ जिला के कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सचिवों के प्रतिनिधि को बुलाकर कार्य पर वापस लौटने का दबाव बनाया जा रहा है जो न्यायोचित नही है, पंचायत सचिव का प्रभार सहायक अंतरिक लेखा करारोपण अधिकारी एवं रोजगार सहायक को सौंपने का आदेश जारी किया गया है, आदेश का विरोध करते हुए सहायक आंतरिक करारोपण अधिकारी के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश शुक्ला पंचायत सचिव के हड़ताल का समर्थन करते हुए प्रभार नहीं लेने हेतु शासन प्रशासन को ज्ञापन दिया गया एवं रोजगार सहायक संघ कोंडागांव के जिला अध्यक्ष द्वारा भी प्रभार नहीं लेते हुए सचिव संगठन के हड़ताल के समर्थन में ज्ञापन दिया गया है। यदि हमारी मांगों पर शासन प्रशासन द्वारा गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया जाता है तो उग्र आंदोलन करते हुए क्रमिक भूख हड़ताल, भूख हड़ताल, आमरण अनशन करने के लिए संगठन बाध्य होगा।

देवभोग एनएसयूआई ने मोदी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया

दिल्ली के जंतर मंतर में प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों के पक्ष में हस्ढ्ढ उतरी है देवभोग के गांधी चौक पर प्रदर्शन कर नरेन्द्र मोदी का पुतला जलाया गया । साथ ही ब्रिजभूषण को गिरफ्तार करने की मांग की गई। एनएसयूआई जिला संयोजक छायासंत बीसी ने कहा कि भारत वर्ष में पहली बार ऐसे हुआ की देश के महिला खिलाड़ी पर बर्बरता से लाठी बरसाई गई जिसकी में घोर निंदा करता हूं आज देश में जो भी हो रहा है खिलाड़ियों पर अत्याचार उसके जिमेद्दार सिर्फ मोदी सरकार है जो हिटलर शाही रवैया से देश को बर्बाद कर रहीं हैं । एनएसयूआई के जिला सह सचिव केशव सिन्हा ने कहा पहलवान कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग करता हूं. बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोप हैं जिसे भाजपा सरकार बचाने में लगी हुई हैं, आज जिस प्रकार हमारे देश की महिला खिलाडियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा हैं उन पर लाठी चार्ज किया जा रहा है भारत के इतिहास में काला दिन के नाम से जाना जाएगा।जिस प्रकार से महिला खिलाडियों को बर्बरता से पीटा गया हैं उसके लिए मैं नरेंद्र मोदी से इस्तीफे की मांग करता हूं। एनएसयूआई के विधानसभा उपाध्यक्ष देवेंद्र बीसी ने कहा- ये हमारे देश की बेटियां हैं, जिन्होंने देश का मान रखा। हमें कई मेडल लाकर दिए। आज इनके साथ गृह मंत्री अमित शाह की पुलिस बदसलूकी कर रही है। इनका गुनाह बस इतना है कि ये शोषण के खिलाफ आवाज़ उठा रही हैं। मोदी जी, आप ऐसा अन्याय क्यों कर रहे हैं। एनएसयूआई के विधानसभा सचिव खिरेंद्र दुर्गा ने कहा पहलवानों के धरने पर दिल्ली पुलिस की बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। केंद्र सरकार तुरंत संज्ञान ले। पूरा देश न्याय की इस लड़ाई में पहलवानों के साथ है। एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर नागेश ने कहा केंद्र में बैठी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व कुस्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह का यह शर्मनाक व्यवहार देश के शान जो राष्ट के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर अनेक पदक लाये वह जो जंतर मंतर में न्याय की भीख मांग रहे हैं उनको न्याय न दे के उनके ऊपर लाठी चार्ज कर उनके साथ दुर्व्यवहार हिटलर शाही की चिन्हित को प्रदर्षित करता यह शर्मशार व्यवहार पुरे देश के सम्मान में दाग हैं । इस कार्यक्रम में यूवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सह सचिव उमेश डोंगरे, किसान कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष आशीष कुमार पाण्डेय, डोंगरे, पूर्व जिला संयोजक छायासंत बीसी

एनएसयूआई गरियाबंद उपाद्यक्ष चंद्रशेखर नागेश, जिला महासचिव महेश नागेश, जिला सह सचिव केशव सिन्हा, बिंद्रानवागढ़ उपाध्यक्ष देवेंद्र बीसी, विधानसभा सचिव खिलेंद्र दुर्गा, दुर्गेश मरकाम, पुष्पेंद्र साहू, रमाकांत दौरा, दिव्यकान्त दौरा, प्रियांशु नेताम, जयप्रकाश तिवारी, राहुल तिवारी, आभाष अवस्थी, मोहम्मद तोहिंम, भूपेश बघेल, योगेंद्र बघेल, ओंकार पात्र, भरत सिन्हा, प्रेम यादव, त्रिलोचन बीसी, शेषनारायण यादव, अमन साहू,ऋतिक राजपूत, अनिल बेसरा, प्रमोद बेसरा, भीष्म विभार, जीत कश्यप, नोहर, देशबंधु डोगरे, गोविन्दा डोगरे, ओमकार पात्र, मनोज डोगरे, हरिश डोगरे, रमेश प्रधान, ईनेश सोनवानी, दिगेश डोंगरे, विवेक अग्रवाल आदि सभी एनएसयूआई के कार्यकर्ता उपस्थित थे।।

श्री कुलेश्वर नाथ बाल कल्याण समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजिम में बच्चों के नैतिक गुणों के विकास के लिए ग्रीष्मकालीन व्यक्तित्व विकास शिविर का 1 मई से 15 मई तक किया जा रहा है आयोजन

संवादाता हेमचंद नागेश

राजिम। श्री कुलेश्वर नाथ बाल कल्याण समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजिम में बच्चों के नैतिक गुणों के विकास के लिए ग्रीष्मकालीन व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन 1 मई से 15 मई तक किया जा रहा है। जिसमें योग, प्राणायाम, व्यायाम, गीत, वंदना एवं बच्चों के नैतिक गुणों के विकास से संबंधित विषयों पर लगातार चिंतन एवं मार्गदर्शन अनुभवी शिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है, प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सरस्वती शिक्षा संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ प्रांत के योजना अनुसार किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से बच्चों के नैतिक विकास से संबंधित- जीवन मूल्यों की शिक्षा, आदर्श दिनचर्या, हमारे भारतीय घर, यातायात के नियम, महापुरुषों की जीवनी, भारत मानचित्र परिचय, मोबाइल के दुष्प्रभाव, स्वदेशी,पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर प्रशिक्षकों द्वारा भैया बहनों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। विषयों के सफल प्रतिपादन के लिए रुपेंद्र साहू प्राचार्य- कोठीगांव छुरा, मानिक लाल साहू विभाग समन्वयक-राजिम विभाग, भोपेंद्र साहू जिला सहकार्यवाह-गरियाबंद, अजय सिंह ए.एस.आई. यातायात शाखा- गरियाबंद, राघोबा महाडिक-अध्यक्ष, अजय साहू -व्यवस्थापक, रामकुमार गोस्वामी- कोषाध्यक्ष एवं अध्यक्ष कृषि उपज मंडी राजिम, शिवकुमार सिंह ठाकुर, का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है यह प्रशिक्षण 1 मई से 15 मई तक प्रातः 7~30 बजे से 10~00 बजे तक विद्यालय परिसर में संचालित हो रहा है, इस प्रशिक्षण में नगर के कक्षा चौथी से कक्षा ग्यारहवीं तक के सभी स्कूलों के 120 छात्र छात्रा भाग ले रहे हैं, यह शिविर पूर्णतः निशुल्क है इसमें कोई प्रकार से शुल्क नही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य- गोविंद राम चौधरी, प्रधानाचार्य- नामदास लहरे, विद्यालय के आचार्य हेमंत महाडिक, उत्तम साहू, लिलेश्वर साहू, योगेश साहू, उमेश तारक, मुकेश यादव, भारती जाधव, अनिता जाधव अनिल साहू, गौकरण साहू, एवं समस्त आचार्य परिवार का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

भूपेश सौ जन्म ले कर भी रामराज्य को नहीं समझ सकतेः नबीन

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कांग्रेस और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर आरोपों की बरसात करते हुए कहा कि धर्म रक्षा में बलिदान देने वाले छत्तीसग?

भारतीय संस्कृति का अनादर कांग्रेस के विनाश का कारण,भुनेश्वर साहू के परिवार को इंसाफ नही मिला, बिरनपुर मामले में रविंद्र चौबे से पूछताछ क्यों नही करती कांग्रेस

के युवक भुनेश्वर साहू से कांग्रेस सरकार ने नाइंसाफी की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बजरंग बली का अपमान किया है। लव जिहाद को संरक्षण देने वाली कांग्रेस ऐसी सच्चाई पर आधारित फिल्म केरल स्टोरी का विरोध कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सौ जन्म भी ले लें तो भी रामराज्य की अवधारणा को नहीं समझ सकते। भगवान राम के अस्तित्व को नकारने वाले अब बजरंग बली के उपासकों पर पाबंदी लगाने की बात कह रहे हैं। राम मंदिर में ताला जड़वाने वाली कांग्रेस बजरंग बली का अपमान कर रही है। ये कैसे रामराज्य की बात कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति और भारतीय सभ्यता का अपमान ही देश भर में कांग्रेस के विनाश का कारण है। हमारा मकसद कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकना है। कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि भ्रष्टाचार के आरोपों जो जेल में हैं, उन्हें जमानत क्यों नहीं मिल रही। भूपेश बघेल विरोध के स्वर बर्दाश्त नहीं कर पाते। एक बच्चे तक की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न कर दिया। जनता देख रही है कि कितनी तानाशाही चल रही है।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन ने कहा का विरोध करने का परिणाम यह हुआ कि आज देश में इस दल का नामलेवा मुश्किल से बचा है। दो बार से केंद्र में मुख्य विपक्ष की हैसियत तक के लायक जनता ने कांग्रेस को नहीं छोड़ा है। अब बजरंग बली का विरोध तो खैर कांग्रेस को कालनेमि और लंकिनी की

कि कांग्रेस सरकार की कुनीतियों से प्रदेश की जनता में भयंकर आक्रोश है। विशेष तौर पर सनातन धर्म के खिलाफ कांग्रेस का दुराग्रह, सांप्रदायिक दंगे, लव जेहाद और इसका विरोध करने पर हत्या जैसे मामलों ने इस सरकार के ताबूत में अंतिम कील ठोक दी है। नितिन नबीन ने कहा कि रही सही कसर महावीर बजरंगबली का विरोध करके कांग्रेस ने पूरी कर ली है। कांग्रेस को यह याद रखना चाहिये कि श्रीराम गति को निःसंदेह प्राप्त करायेगा। मुख्यमंत्री कहते हैं कि बजरंग बली की जय से हमें दिक्कत नहीं है। हम कहते हैं कि दिक्कत है तभी तो बजरंग बली का जयकारा लगाने वालों का बार बार अपमान कर रहे हैं। उन्हें ठीक कर देने की धमकी दे रहे हैं। बच्चो का वीडियो अपलोड कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बजरंग बली के अपमान पर देश भर में पैदा हुए स्वाभाविक आक्रोश से डर कर कर्नाटक में कांग्रेस ने तो यू टर्न लेने की विफल कोशिश की है, पर छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की हठधर्मिता निंदनीय है। सवाल यह है कि अगर कर्नाटक में कांग्रेस नेता ने यह कहा कि प्रदेश किसी ऐसे दल पर प्रतिबंध लगा ही नहीं सकता, तो आख़िर भूपेश बघेल को ऐसा भड़काऊ बयान देने में कि 'बजरंग दल को ठीक कर देंगे जरूरत पड़ी तो बैन करने की सोचेंगे' उनको माफी माँगना चाहिए। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन ने कहा कि बजरंग बली और सनातन आराध्यों से विद्वेशवश मुख्यमंत्री इस सीमा तक चले गये कि उन्होंने एक अबोध बालक की पहचान उजागर कर उसकी जान को संकट में डाल दिया है। अगर उसने गलत किया था तो कानून के हिसाब से कार्य करते मुख्यमंत्री का कार्य बच्चो का वीडियो अपलोड कर उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ करना नही। उन्होंने कहा कि हमने चर्चित फिल्म 'द केरला स्टोरी' को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की मांग की है। वास्तव में यह फिल्म छत्तीसगढ़ की भी स्टोरी है। यह देश की स्टोरी है। हमारी बेटियों में जागरूकता फैलाने, इन्हें लव जेहाद जैसी साज़िशों से सावधान करने, उन्हें आतंक का टूल्स बनाने से रोकने यह फिल्म प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि बेमेतरा के बीरनपुर में हुए हत्याकांड में मृतक के पिता ने सीधे तौर पर स्थानीय विधायक और शासन के वरिष्ठ मंत्री के क़रीबियों का नाम लिया है। इस संबंध में अभी तक कुछ नहीं हो पाना गंभीर विषय है। मामले में सीधे मंत्री से पूछताछ होना चाहिये।

किसानों के खेतों से ड्रीप चोरी करने वाले गिरोह बलकवाड़ा पुलिस की गिरफ्त में

चोरी के 03 आरोपी गिरफ्तार, चोरी की 50 बन्डल ड्रिप कीमत लगभग 70,000/- रुपये जप्त, घटना में प्रयुक्त टेम्पो कीमत लगभग 3 लाख रुपये का जप्त

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री धर्मवीर सिंह यादव द्वारा किसानो के विधुत मोटर, पंप, पाईप, ड्रीप चोरी की घटनाओ को लेकर जिले के समस्त थानों को इन घटनाओ पर अंकुश लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया था। जिसके तारतम्य में थाना बलकवाड़ा में ड्रीप चोरी करने वाले आरोपियों के विरुद् कार्यवाही की गई है। दिनांक 06.05.2023 को फरियादी महेश निवासी ग्राम नांदला ने थाना बलकवाडा आकर रिपोर्ट किया कि, मेरे खेत से 70 बंडल ड्रीप लाईन किमती 90 हजार रुपये की कोई अज्ञात बदमाश चुराकर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट से अप. क्र. 175/2023 धारा 379 भादवि का पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागिय अधिकारी पुलिस मण्डलेश्वर श्री मनोहरसिहं गवली के निर्देशन में निरी. रामेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर माल मुलजिम की पतारसी हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा घटना से जुड़ी सूचनाओ को एकत्रित करने के मुखबिरों को सक्रिय किया गया। परिणामस्वरूप मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की कसरावद का बल्लु निवासी मंडी रोड कसरावद के घर मे 50 बंडल ड्रीप राखी हुई है जो की संभवतः चोरी की है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा बल्लु

के घर दबिश देकर को जप्त किया गया। बल्लु को थाने लाकर पूछताछ करने पर उसने उक्त चोरी बबलु पिता निसार शाह जाति फकीर उम्र 30 साल निवासी छप्पन देव मार्ग मण्डलेश्वर हामु कैलाश कुण्ड कसरावद व गणेश पिता कडवा कोचले उम्र 25 साल निवासी माकडखेडी कसरावद के द्वारा महेश निवासी नांदला के खेत से चोरी करना बताया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उन्हे भी गिरफ्तार किया गया।

जप्त मश्रुका एवं गिरफ्तार आरोपी

1. आरोपी बल्लु पिता छितु वर्मा जाति मोची उम्र 62 साल निवासी मंडी रोड कसरावद के कब्जे से करीबन 50 बंडल ड्रीप किमती 70 हजार रुपये जप्त किया गया।
2. आरोपी गणेश पिता कडवा कोचले उम्र 25 साल निवासी माकडखेडी कसरावद से घटना मे प्रयुक्त टेम्पो क्रमांक स्का3रु3787 किमती 03 लाख रुपये का जप्त किया गया।
3. आरोपी बबलु पिता निसार शाह जाति फकीर उम्र 30 साल निवासी छप्पन देव मार्ग मण्डलेश्वर हामु कैलाश कुण्ड कसरावद के कब्जे से नगदी 1500 रुपये जप्त किये गये।

उपरोक्त तीनो आरोपीयों को माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

उक्त सम्ड़पूर्ण कार्यावाही में थाना प्रभारी बलकवाडा रामेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम में सउनि. अशोक नैय्यर, सउनि. नहारसिंग सेमले, सउनि. शोभाराम जाधव, प्र.आर. 461 विकास डावर, आर. 544 अनिल कुशवाह, आर. 655 विकास, आर. 353 संजय, आर. 937 देवीसिंह की भूमिका सहारनीय रही।

एक नजर...

विश्वकर्मा जन संगठन के जिलाध्यक्ष बने कालीचरण विश्वकर्मा

उप संपादक महेंद्र शर्मा

दतिया- विश्वकर्मा जन संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश एवं सम्भागीय पदाधिकारियों की सहमति से युवा नेता कालीचरण विश्वकर्मा को जिलाध्यक्ष दतिया नियुक्त किया गया समाज के सभी लोगों ने शुभकामनाएं और बधाई दी। कालीचरण विश्वकर्मा ने सभी वरिष्ठ पदाधिकारीयों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसका मैं पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ समर्पित भाव से समाज एवं संगठन विस्तार के लिए काम करूंगा और बहुत ही जल्द अपने जिले की नबीन कार्यकारिणी का गठन करूंगा। इस अवसर पर संगठन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ.मनोज विश्वकर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ.बेताल विश्वकर्मा, संभागीय प्रभारी जुगलकिशोर विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष ग्वालियर महानगर वीरसिंह विश्वकर्मा ,जिलाध्यक्ष ग्वालियर ग्रामीण छबिराज विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष भिण्ड ग्रामीण राहुल विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष शिवपुरी ग्रामीण सुनील विश्वकर्मा ,जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा दतिया श्रीमति नीतू विश्वकर्मा ,उपाध्यक्ष ग्वालियर घनश्याम विश्वकर्मा ग्वालियर विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा उपाध्यक्ष टिंकू विश्वकर्मा संगठन मंत्री भिंड पवन विश्वकर्मा , मौ नगर अध्यक्ष गोविंद विश्वकर्मा इत्यादि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस ने किया पैदल फ्लैग मार्च

आईजी एवं भिण्ड एसपी के नेतृत्व में शहर में हुआ फ्लैग मार्च

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पुलिस की क्षेत्र में सतत् उपस्थिति दिखने संबंधी निर्देशों के पालन में चम्बल जोन पुलिस महानिरीक्षक सुशांत सक्सेना के नेतृत्व में एवं पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के मार्गदर्शन में आज दिनांक 06/05/2023 को शाम 6 बजे से 8 बजे तक का शहर भिण्ड में पैदल मार्च निकाला गया जो पुलिस लाइन,लहार चुंगी , जेल रोड, मधोगंज हाट, हनुमान बजरिया, सदर बाजार, परेड चौराहा, हॉस्पिटल रोड ,नगर पालिका रोड़,बस स्टैंड रोड़ होते हुए सुभाष चौराहे तक बड़ी संख्या में पुलिस के आलाधिकारी, कर्मचारियों का पैदल फ्लैग मार्च चला। पुलिस महानिरीक्षक सुशांत सक्सेना ने वरिष्ठ अधिकारियों व जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग फिट रहे और समय समय पर ऐसे पैदल फ्लैग मार्च करते रहे,ताकि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कमी हो तो उसे तुरंत सुधारा जा सके। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि यह पैदल मार्च मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार किया गया है, एसपी श्री खत्री ने कहा कि सभी लोग सेहतमंद रहे और ऐसे कार्यक्रम करते रहे, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगर कोई फिट नहीं है, तो उसे चिंहित करें ताकि उनमें सुधार कराया जा सके। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह कि सभी अपने फिटनेस पर विशेष ध्यान दे। अधिकारियों ने फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से चर्चा भी की। पैदल फ्लैग मार्च में मुख्य रूप से चम्बल जोन पुलिस महानिरीक्षक सुशांत सक्सेना, पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे भिंड,डीएसपी हेडक्वार्टर आकांक्षा जैन,सीएसपी निशा रेड्डी, डीएसपी अरविंद शाह, डीएसपी पूनम थापा, शहर कोतवाली निरीक्षक शिव सिंह यादव, देहात कोतवाली निरीक्षक ट्रैफिक इंचार्ज रणजीत सिंह सिकरवार, कई थानों के थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कर्मचारी व पुलिस लाइन के जवान,एसएफए 17 वीं बटालियन, होमगार्ड के अधिकारीगण एवं जवान शामिल हुए। अधिकारियों के अलावा लगभग तीन सौ जवानों ने फ्लैग मार्च में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भाषण प्रतियोगिताएं एवं योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए

अमित शर्मा की रिपोर्ट

सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के द्वारा 10 दिवसीय लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का हरिराम का पूरा में समापन हुआ। कार्यक्रम में 10 दिनों से चल रहे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण मिट्टी के खिलौने पत्र लेखन सुलेखन आर्ट एंड क्राफ्ट मैप रीडिंग अच्छे स्वास्थ्य के 7 टिप्स कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक खेलकूद प्रतियोगिता है भाषण प्रतियोगिताएं एवं योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री जैन ने कहा कि बच्चों को 10 दिन बहुत ही उपयोगी दिन थे बच्चों ने समय का पालन, दिनचर्या एवं अच्छी बातें जानने व समझने का अवसर मिला सूर्या फाउंडेशन के द्वारा इस प्रकार के व्यक्तित्व विकास शिविर के कारण बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ अन्य प्रकार के कार्यक्रम में भाग लेने की रुचि रहती है . कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी शिक्षार्थियों को पुरस्कार देकर के सम्मानित किया गया एवं बच्चों ने अपने अपने विशेष अनुभव भी कार्यक्रम में साझा किया समापन कार्यक्रम में शिविर प्रमुख श्री विकास सिंह चौहान एवं सहयोगी शिविर प्रमुख विजय सिंह एवं टोली उपस्थित रही।

जिला दतिया क्षेत्र के ग्राम सदका मैं विश्वकर्मा भगवान सेवा समिति सदका के अध्यक्ष श्री कालीचरण विश्वकर्मा जी द्वारा 11 जोड़े का विवाह सम्मेलन में संपन्न हुआ

उप संपादक महेंद्र शर्मा

समिति कल्लू विश्वकर्मा भांडेर सचिव दिनेश कुमार विश्वकर्मा खिरिया कोषाध्यक्ष शशिकांत विश्वकर्मा भांडेर उपाध्यक्ष प्रेम नारायण विश्वकर्मा ततारपुर सह सचिव इमरत विश्वकर्मा जोनहार उप कोषाध्यक्ष बबलू विश्वकर्मा खुर्द मार्केटिंग अध्यक्ष हरबिलास विश्वकर्मा भांडेर मार्केटिंग उपाध्यक्ष पातीराम विश्वकर्मा भांडेर भोजन व्यवस्थापक राहुल विश्वकर्मा सोप्ता मंच व्यवस्थापक धर्मेंद्र विश्वकर्मा भितरवार मीडिया प्रभारी राहुल विश्वकर्मा देवरी जिला अध्यक्ष भिंड मंच संचालक पदाधिकारियों के द्वारा विश्वकर्मा समाज की 11 बेटियों का सामूहिक विवाह अध्यक्ष कालीचरण विश्वकर्मा एवं उनकी कमेटी द्वारा कराया गया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्रीमती रक्षा संतराम सरोनियाजी माननीय श्री रामजीवन छोटेराय नगर अध्यक्ष भांडेर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संतोष तिवारी एवं मूलचंद विश्वकर्मा पूर्व कृषि विकास अधिकारी एवं अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा दिल्ली अध्यक्ष सरपंच श्री राज बहादुर सिंह गुर्जर एवं महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती नीतू विश्वकर्मा समाज के संत श्री 1008 परमात्मा दास जी महाराज विश्वकर्मा मंदिर डबरा अध्यक्ष प्रीतम गौड़ उपाध्यक्ष प्रीतम विश्वकर्मा रमेश बाबूपुर संतोष विश्वकर्मा सोनू विश्वकर्मा दीपक

विश्वकर्मा पुरुषोत्तम विश्वकर्मा विजय विश्वकर्मा सेंवडा कमेटी से हरि मोहन विश्वकर्मा दिनेश विश्वकर्मा बंटी विश्वकर्मा रामकेश विश्वकर्मा पिंकू रूरई मौ कमेटी से डॉ गोविंद गोंड डॉक्टर बेताल सिंह गौड एवं उनकी पूरी समिति मो ग्वालियर कमेटी से डॉ मनोज विश्वकर्मा प्रदेश अध्यक्ष विश्वकर्मा जन संगठन मध्य प्रदेश रविराज विश्वकर्मा जुगल किशोर विश्वकर्मा पवन विश्वकर्मा (पत्रकार) पूरन विश्वकर्मा कमल विश्वकर्मा राजेश विश्वकर्मा गोपी विश्वकर्मा रमेश कुमार (भानु) विश्वकर्मा राजेंद्र विश्वकर्मा टिंकू विश्वकर्मा घनश्याम विश्वकर्मा वीर सिंह विश्वकर्मा सतना कमेटी से रामकेश विश्वकर्मा श्रीराम क्लेश विश्वकर्मा कोच कमेटी से राजू विश्वकर्मा अध्यक्ष नरेंद्र विश्वकर्मा राकेश विश्वकर्मा गोधन रामू विश्वकर्मा सुरेंद्र विश्वकर्मा पप्पू विश्वकर्मा राम प्रसाद विश्वकर्मा सांकिन भांडेर कमेटी से सुरेश विश्वकर्मा हरिराम विश्वकर्मा नरेश पांचाल राजू विश्वकर्मा प्रकाश विश्वकर्मा भागीरथ विश्वकर्मा एवं समस्त कमेटी का सदकाकमेटी द्वारा बड़ी माला पहनाकर एवं भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर और सम्मान पत्र देकर स्वागत एवं सम्मान किया गया सामूहिक विवाह सम्मेलन में विश्वकर्मा समाज की बड़ी संख्या में लोग और मंच का संचालन राहुल विश्वकर्मा देवरी वालों ने किया

कालका माँ पर अंडा,शराब चढ़ाना, बलि देना महापाप : पं. विमल पाठक

खरगोन से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे
पंकज त्रिपाठी

कालका मंदिर पर अंडा,शराब ना चढ़ाने का भक्तों को दिलाया संकल्प।

भिण्ड। जिले के रौन क्षेत्र के बहादुरपुरा (बघेली) सुप्रसिद्ध कालका मंदिर के पास हार वाले हनुमान जी मंदिर पर राष्टीय कथा व्यास पंडित विमल कृष्ण पाठक जी के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा कहीं जा रही है। भागवत मंच से पं. विमल कृष्ण पाठक ने कालका मंदिर पर चली आ रही पुरानी कुरीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि मां के मंदिर में शराब, अंडे चढ़ाना एवं बलि के रूप बकरे के कान काट कर कान की बलि चढ़ाना घोर अपराध ओर महा पाप है, ऐसा करने से क्षेत्र में अकाल पड़ता है, प्राकृतिक आपदा आती एवं अकाल मृत्यु होती है,पंडित विमल कृष्ण पाठक ने भागवत मंच से वहां पर मौजूद सैकड़ों भक्तों को हाथ उठाकर संकल्प दिलाया कि आज के बाद अपने क्षेत्र एवं देश के कल्याण के लिए कालका मंदिर पर कभी शराब एवं अंडे नहीं चढ़ाएंगे नाही किसी बकरे की कान की बलि देंगे, अपने क्षेत्र एवं देश प्रदेश में सुख शांति के लिए आपको ये फैसला लेना होगा। पं. विमल कृष्ण पाठक ने सुप्रसिद्ध कालका मंदिर बहादुरपुरा (बघेली) के दुकानदारों से भी अपील है, कि मंदिर परिसर में शराब, अंडे ना बेचें, रोजी रोटी के लिए प्रसाद या अन्य प्रकार के सामानों की दुकान लगाएं इसी में आपका हित है, पंडित विमल कृष्ण पाठक ने कहा कि प्राकृतिक आपदा, अकाल मृत्यु एवं अकाल से बचने के लिए हमें मंदिर पर शराब, अंडे चढ़ाने और बकरे के बलि चढ़ाने जैसी पुरानी कुरीतियों को त्यागना होगा,इसी में आपका और देश का हित है।

1 कट्टा 315 बोर मय 2 जिन्दा राउण्ड के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी,दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहंगाव (भिण्ड)। नवागत पुलिस अधीक्षक भिण्ड मनीष खत्री के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में जिला भिण्ड मे कॉम्बिंग गस्त दिनांक 06 - 07 मई 2023 की रात्रि करायी गयी जिसमें अपराधियों की धरपकड हेतु समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारियो को मुखबिर तन्त्र विकसित करने के लिये निर्देर्शित किया गया था। इसी तारतम्य मे मेहंगाव अनुविभागीय अधिकारी आरकेएस राठौर के निर्देशानुसार थाना प्रभारी मेहगांव निरीक्षक रविन्द्र शर्मा द्वारो थाना क्षेत्र मेहगावं मे रात्रि कॉम्बिग गस्त करायी गयी है। चैकिंग के दौरान मौ रोड रसालदार के बम्बा के पास एक आरोपी को डिस्कबर मोटर सायकिल के साथ पकड़ा गया एवं तलाशी लेने पर एक 315 बोर देशी कट्टा व 02 जिन्दा राउण्ड जप्त कर थाना मेहगांव मे अपराध क. 116 / 23 धारा 25 / 27 आर्म्स एक्ट कायम किया गया है। उक्त आरोपी के विरुद्ध पूर्व मे भी बलात्कार, हत्या के प्रयास, मारपीट तथा अवैध हथियार रखने के 25 प्रकरण पंजीबद्ध है। मेहंगाव थाना निरीक्षक रविन्द्र शर्मा, उपनिरीक्षक हरजेन्द्र सिंह चौहान,सहायक उपनिरीक्षक अशोक तिवारी,सहायक उपनिरीक्षक रामप्रकाश शर्मा, प्रधान आरक्षक प्रदीप पचौरी,आरक्षक दिनेश मुदगल,आरक्षक पदम सिंह,आरक्षक प्रदीप तोमर,आरक्षक गौरी शंकर,आरक्षक अवधेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सड़क पर भटक रही 03 वर्ष की मासूम बालिका को मेहगांव पुलिस लाई थाने

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के निर्देशन में एवं एसडीओपी आरकेएस राठौर मार्गदर्शन में लगातार पुलिस को संवेदनशील रहकर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए गए है। जिसके तहत मेहगांव थाना निरीक्षक रविंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने तत्परता व संवेदनशीलता से ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत कुछ ही देर में बालिका के पिता को खोज कर सुपुर्द कर। उक्त कार्यवाही में प्रधान आरक्षक रामदास गुप्ता,आरक्षक अवनीश, आरक्षक गोरी की मुख्य भूमिका रही। बालिका के थाना मेहगांव पर होने तथा परिजनों को खोजने की मेहगांव पुलिस द्वारा मीडिया के माध्यम से भी अपील की गई थी। 03 वर्ष की मासूम बालिका जब भटकर वार्ड नबर 10 में इधर-उधर घूम रही थी तो राजेश गुर्जर ने थाना मेहगांव को सूचित किया जिस पर अविलंब थाना मेहगांव पुलिस द्वारा बालिका को थाना लाया गया और बालिका के माता पिता की खोज शुरू की तो कुछ देर बाद धर्मेंद्र गुर्जर निवासी ग्राम गितौर के रूप में उसका पिता वार्ड में अपनी बच्ची को खोजता मिला जिसने

बताया की वह अपनी रिश्तेदारी में बच्चो के साथ आया था बच्ची अचानक घर से गायब हो गई उसे ही खोज रहा हूं। बच्चो के प्रति होने वाले अपराधो को रोकने हेतु मेहगांव थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने अपील की है कि छोटे बच्चो का विशेष ध्यान रखें ,जब भी शादी समारोह में जाए बच्चो को अकेला न छोड़े।

पुलिस द्वारा नाईट कॉम्बिंग गश्त में अपराधियों / गुण्डों बदमाशों के विरूद्ध की गई ताबड़तोड़ कार्यवाही

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक भिण्ड मनीष खत्री के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के नेतृत्व में भिण्ड जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों द्वारा थाने के बल के साथ दिनांक 6 - 7 मई 2023 की दरम्यानी रात कॉम्बिंग गश्त का अभियान चलाया गया, जिसमें रात्रि के समय होने वाले अपराधों की रोकथाम, फरार आरोपियों को पकड़ने अपराधियों में भय पैदा करनें रात्रि के समय वाहनों द्वारा अवैध शराब, अवैध हथियार परिवहन अन्य अवैधानिक गतिविधियों की रोकथाम एवं जनसामान्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 247 अधिकारी / कर्मचारियों की कुल 38 टीमें बनाकर ताबडतोड कार्यवाही की गई।

उक्त गश्त के दौरान निम्नानुसार कार्यवाही की गई –थाई वारंट तामील- 26, **गिरफ्तारी वारंट तामील-** 62 , फरार गिरफ्तार आरोपियों (299 जा0 फौ0) की संख्या - 03 , ईमानी गिरफ्तार अपराधियों की संख्या - 01, हिस्ट्रीशीटर चेक किए गए 87 ,पूर्व जिला बदर चैक- 08 , गुंडा चैक- 99 , एटीएम चैक- 86 ,वाहन चैकिंग- 330 , अन्य (क) 09 किलो 200 ग्राम गाँजा व एक मोटर साईकल हीरो होण्डा जप्त की जाकर 02 आरोपी गिरफ्तार किये गये।

(ख) एक 315 बोर का कट्टा दो जिन्दा राउण्ड व एक डिस्कवर मोटरसाईकल जप्त की जाकर 01आरोपी गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने बल के साथ उपस्थित होकर सराहनीय कार्यवाही की गयी।

चिंताजनक है बच्चों की देखभाल में सरकार की दखलंदाजी

केंद्र सरकार विशेष रूप से नॉर्डिक और यूरोपीय देशों में भारतीय दूतावासों के माध्यम से परामर्श और सहायता प्रदान करके हस्तक्षेप करती है तो इस कानून के आधार पर विदेश में काम करने वाले परिवारों के मामले में मदद मिल सकती है। भारतीय माता-पिता के लिए दूतावासों में एक प्रकार का पारिवारिक लोकपाल एक मार्गदर्शक तथा रेफरल बिंदु हो सकता है।

पिछले महीने भारतीय सिनेमाघरों में एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसमें अपने बच्चों की कस्टडी वापस पाने के लिए एक अप्रवासी भारतीय मां के संघर्ष को बताया गया है। यह मां नॉर्वे की फोस्टर केयर सिस्टम से लड़ रही है। भारत में इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस रिटर्न इतना उत्साहजनक नहीं रहा लेकिन यह नॉर्वे में सबसे अधिक देखी जाने वाली दक्षिण एशियाई फिल्म है। इस फिल्म में नॉर्डिक और यूरोपीय देशों में चाइल्ड केयर सेवाओं के खिलाफ ज्यादातर आप्रवासी पालकों के संघर्ष को दिखाया गया है। भारत स्थित नॉर्वे दूतावास ने सागरिका चक्रवर्ती की 2022 की किताब %दी जर्नी ऑफ ए मदर% पर आधारित फिल्म को %काल्पनिक प्रतिनिधित्व% बताकर खारिज कर दिया है। इस मामले को एक दशक पहले भारतीय अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद सुलझा लिया गया था। दूतावास का कहना था कि %बच्चों को वैकल्पिक देखरेख में रखने का कारण केवल तभी बनता है जब उनके साथ उपेक्षा, हिंसा या विभिन्न तरीके से दुर्व्यवहार किया जाता है।% दर्शकों की उदासीनता के बावजूद %श्रीमती चटर्जी बनाम नॉर्वे% फिल्म ने माता-पिता और चाइल्ड केयर सेवाओं के बीच चल रही कई कस्टडी लड़ाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनमें से एक बर्लिन चाइल्ड सर्विसेस और शाह परिवार के बीच वर्तमान टकराव है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी जर्मन समकक्ष अन्नालेना बेयरबॉक के साथ चर्चा के दौरान दिसंबर, 2022 में यह मामला उठाया था। जयशंकर ने कहा- %हमें चिंता है कि बच्ची को उसके भाषायी, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक माहौल में होना चाहिए। यह उसका अधिकार है। हमारा दूतावास जर्मन अधिकारियों के सामने इस मामले को रख रहा है लेकिन यह एक ऐसा विषय भी था जिसे मैंने मंत्री के साथ चर्चा में उठाया था।

सरकार के घरों में घुसने और बच्चों को दूर ले जाने के कारणों में से एक कारण बच्चों की परवरिश में सांस्कृतिक अंतर प्रतीत होता है। शाह बनाम जर्मनी मामले में यह मुद्दा उठाया गया है। जर्मनी से अपनी बेटी को वापस लाने के लिए संघर्ष कर रहे बच्ची के माता-पिता की ओर से दायर एक ऑनलाइन याचिका %सेव अरिहा% में कहा गया है- %जर्मन बाल सेवाएं बच्ची की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील हैं। यह बच्ची एक कट्टर जैन परिवार से आती है। अरिहा शाह की उम्र दो साल से थोड़ी अधिक हैं। जर्मन चाइल्ड सर्विसेस उस पर मांसाहार के लिए जोर दे रही हैं। बच्ची ने अपनी उम्र का अधिकांश समय बर्लिन चाइल्ड सर्विसेस की निगरानी में बिताया है। जर्मन चाइल्ड सर्विसेस ने पिछले महीने अरिहा के माता-पिता धारा व भावेश शाह के माता-पिता के अधिकारों (पैरन्टल राईट्स) को समाप्त करने के लिए सिविल हिरासत का मामला दायर किया था। अरिहा को यौन शोषण के संदेह में संरक्षण में लिया गया था। परिवार का कहना है कि उसकी दादी की देखभाल के दौरान अरिहा को आकस्मिक चोट आई थी। उसे इलाज के लिए डॉक्टरों के पास भेजा गया था जिन्होंने चाइल्ड सर्विसेस को बुला लिया था। चिंतित माता-पिता ने ऑनलाइन याचिका में कहा है कि जर्मनी में कानून के %निरंतरता सिद्धांत% का लाभ उठाते हुए चाईल्ड केयर इस मुकदमे को दो या तीन साल तक चला सकती है। इस सिद्धांत के तहत यदि किसी बच्चे ने राज्य द्वारा नियुक्त देखभालकर्ता के साथ महत्वपूर्ण समय बिताया है तो कहा जाता है कि बच्चे को वहां बसाया जाए और उसे माता-पिता के पास वापस स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए। भले ही वे पालन-पोषण करने के लिए योग्य पाए जाएं।जर्मन राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी डेस्टैटिस के आंकड़े बताते हैं कि 2015-16 में 77645 बच्चे और युवा राज्य देखभाल में थे। 83 लाख से अधिक की आबादी वाले जर्मनी में 50364 बच्चे और युवा फैमिली फोस्टर केयर में रहते हैं। नॉर्वे में सरकार की निगरानी में 12000 बच्चे रहते हैं जो 55 लाख से अधिक की आबादी वाले देश के लिए एक बड़ा आंकड़ा है। बच्चों के अधिकारों को सबसे ऊपर रखने की नीति के कारण ये आंकड़े कई चिंताओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यूनिसेफ की एक नई रिपोर्ट के अनुसार 31 अमीर देशों के बीच स्वीडन, नॉर्वे, आइसलैंड, एस्टोनिया और पुर्तगाल अपनी राष्ट्रीय परिवार के अनुकूल नीतियों के आधार पर सबसे बेहतर सेवाएं प्रदान करते हैं। यह रिपोर्ट दो प्रमुख नीतियों पर केंद्रित है- माता-पिता के लिए चाइल्ड केयर लीव और स्कूल जाने के पूर्व बच्चों के लिए प्रारंभिक बचपन की शिक्षा व देखभाल। यह आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के घटक 41 उच्च एवं मध्यम आय वाले देशों में इन नीतियों की समीक्षा करता है। सबसे अधिक परिवार अनुकूल देशों में नॉर्वे ऐसा देश है जिसने 1981 में बच्चे के अधिकारों की रक्षा के लिए %बाल लोकपाल% नियुक्त किया था।

फिर भी नॉर्वे को बाल कल्याण के मामलों की एक बड़ी संख्या का सामना करना पड़ता है और उनमें से अधिकांश माता-पिता द्वारा दायर किए गए हैं। इन पालकों ने अपना विरोध दर्शाने के लिए यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का रास्ता खोज लिया है। न्यायालय ने मानवाधिकार सम्मेलन के केंद्रीय अनुच्छेद 8 का आधार लिया है जो निजी और पारिवारिक जीवन के लिए सम्मान के अधिकार को कवर करता है। हाल के वर्षों में यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राईट्स ने नॉर्वेजियन बाल कल्याण सेवाओं से जुड़े 39 मामलों को सुनवाई के लिए मंजूर किया है। कोर्ट ने जिन नौ मामलों पर फैसला सुनाया है उनमें से सात मामलों में पारिवारिक जीवन के अधिकार का उल्लंघन पाया गया है। अदालत के इतिहास में नॉर्वे के खिलाफ कुल 52 फैसले पारित किए गए हैं। फैसलों की इतनी बड़ी संख्या बाल कल्याण मामलों में पारिवारिक जीवन के अधिकार की रक्षा करने में नार्वे की विफलता को दर्शाती है। बीबीसी के अनुसार नॉर्वेजियन मीडिया एक ऐसी स्टोरी की जांच कर रहा है जिसे उसने अनदेखा कर दिया है। मीडिया ने यह पाया है कि नॉर्वे में अन्य बच्चों की तुलना में एक विदेशी माता के बच्चों को उनके परिवारों से जबरन ले जाने की संभावना चार गुना अधिक है। सरकार ने नॉर्वे-चीन के एक दंपति पर अपने बच्चे की परवरिश को लेकर सवाल उठाए हैं जिसमें बच्चे के जन्म के बाद अपनी चीनी नानी के साथ बिताए गए समय को भी शामिल किया गया है।

संपादकीय

गर्मी में सर्दी

मई की शुरुआत में जब पूरा देश लू की चपेट में होता है उस समय जब लोगों को गरम कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगे तो समझ लेना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग के संकट ने दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कहने को यह मौसम पश्चिमी विक्षोभ की देन है लेकिन सवाल यह है कि समुद्र के मिजाज में यह परिवर्तन क्यों आ रहा है। बताया जा रहा है कि दस मई तक किसी भी इलाके में गरम लहरें नहीं महसूस होंगी। तमाम इलाकों में बारिश व ओलावृष्टि तथा पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हैरत में डाल रही है। कमोबेश देश के अधिकांश भागों में मौसम के मिजाज में यह तीव्र बदलाव महसूस किया गया है। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में सुबह धुंध जैसी स्थिति नजर आई है। लोग भले ही इस मौसम को सुहावना बता रहे हों, लेकिन किसान अभी खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह काट नहीं पाये हैं। यदि अन्न बर्बाद होता है तो हमारी खाद्य शृंखला भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगी। महंगाई की मार से हमें दो-चार होना पड़ेगा। यही वजह है कि किसान के माथे पर भी चिंता की लकीरें हैं। निस्संदेह, जब मई के महीने में फरवरी-मार्च के मौसम का अहसास होने लगे तो इसे खतरे की घंटी के तौर पर देखा जाना चाहिए। ये हाल उस मौसम में है जब देश के विभिन्न भागों में भीषण गर्मी पड़ती है और तापमान पचास डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचता है। इस समय सूर्य पूरे ताप के साथ नजर आता है। हालांकि, अप्रैल में कुछ समय भरपूर गर्मी रही लेकिन बाद में माह के अंत और मई की शुरुआत में तापमान अचानक बदल गया। यह स्थिति सिर्फ उत्तर भारत में ही हो, ऐसा भी नहीं है। इसका प्रभाव दक्षिणी, पश्चिम, मध्य व पूर्वी भारत में भी नजर आ रहा है। यहां तक कि कई इलाकों में तापमान में दस डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई।

मौसम के मिजाज में आये इस अप्रत्याशित बदलाव को देखकर लोग हैरत में हैं कि क्या वाकई ये मई का महीना है? क्या गर्मी आएगी भी? दरअसल, जिस समुद्री व्यवहार में बदलाव को इस मौसम की वजह बताया जा रहा है, उसके निकट भविष्य में फिर दोहराये जाने की बात भी कही जा रही है। कमोबेश भारत ही नहीं, पूरे यूरोप भी में मौसम की ऐसी तल्खी नजर आ रही है। तमाम यूरोपीय देशों में तापमान के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। यह कटु सत्य है कि जब भारत में ठंड का अहसास हो रहा है तो पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। वहीं दक्षिण भारत में तेज बारिश से तापमान में गिरावट आई है। सभी राज्यों में मई में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। पूर्वोत्तर भारत में ऐसी ही स्थिति है। भविष्य में कई राज्यों में तूफान व बारिश की भविष्यवाणी की जा रही है। कुछ लोग पाकिस्तान की तरफ से अरब सागर के जरिये उठने वाले वातावरणीय दबाव को बारिश व तूफान का कारण बता रहे हैं। जिसके चलते मौसम के रोज नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान में जुटे हैं कि किस वजह से इस साल फरवरी के महीने में अप्रत्याशित गर्मी पड़ी थी। बताते हैं कि पिछली पूरी सदी में भी पृथ्वी फरवरी में कभी इतनी गर्म नहीं रही। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल अभी नौ बार पश्चिमी विक्षोभ का असर नजर आयेगा। जिसकी वजह से बार-बार मौसम में बदलाव महसूस होंगे। आखिर क्या वजह है कि जब भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है तो यूरोप, कनाडा व उत्तरी एशिया में तापमान में लगातार वृद्धि महसूस की जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव देखिये कि एक समय में कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे की स्थिति है। कहीं गर्मी में सर्दी का अहसास हो रहा है तो कहीं ठंडे इलाकों में लगातार गर्मी बढ़ रही है। सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत में ग्लेशियरों पर पिघलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। जिसका स्थायी प्रभाव भारतीय मौसम पर नजर आ सकता है।

आदर्श-मूल्यविहीन चुनावी रणनीति का दौर

चुनाव हमारे जनतंत्र की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। आज़ादी के बाद जब चुनावों का सिलसिला शुरू हुआ तो पांच साल बाद चुनाव का शोर सुनाई देता था, पर अब तो आये दिन चुनाव होते रहते हैं, कभी पंचायतों के, कभी विधानसभाओं के और कभी संसद के। मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश आदि के चुनाव खत्म हुए नहीं थे कि कर्नाटक के चुनाव आ गये। इसके बाद नम्बर राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों का है और फिर 2024 में तो आम चुनाव हैं ही। इस सबके चलते ही ऐसा लगता है, जैसे हमारे नेता चुनाव-प्रचार में ही लगे रहते हैं। यह भी समझ नहीं आता कि वे राजकाज की चिंता कब करते हैं और कब सत्तारूढ़ दल चुनाव-प्रचार कर रहा होता है। इसी का परिणाम है कि हमारी समूची राजनीति एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिमट कर रह गयी है।

इस सबके बावजूद चुनावों का स्वागत ही होना चाहिए, क्योंकि यह चुनाव ही जनता को अवसर देते हैं अपने नेताओं से यह पूछने का कि वे जनता के हितों के लिए क्या और कैसे काम कर रहे हैं। यह मौका होता है सत्तारूढ़ दल के लिए अपने किये का लेखा-जोखा देने का और विपक्ष के लिए यह बताने का कि बेहतर शासन देने के लिए उसके पास क्या योजनाएं हैं, कौन-सी नीतियां हैं। पर क्या सचमुच ऐसा होता है? हां, घोषणापत्रों के जरिये ऐसा कुछ बताने-जताने की कोशिश तो होती है, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के आखिरी दिनों तक घोषणापत्र जारी करने की प्रतीक्षा की जाती है उससे तो यही लगता है कि घोषणापत्र या संकल्प-पत्र आदि तो जैसे एक परम्परा निभाने की चीज़ बन कर रह गये हैं। समूचा चुनाव-प्रचार इस बात की गवाही दे रहा है कि घोषणा-पत्र और नीतियां-कार्यक्रम आदि हाथी के दिखाने वाले दांत मात्र हैं। खाने के दांत तो वह आरोप-प्रत्यारोप हैं जो हमारे राजनीतिक दल एक-दूसरे पर लगाते हैं। कभी धर्म के नाम पर मतदाता को भरमाया जाता है, कभी जाति के नाम पर। कभी उम्मीदवारों और अन्य प्रतिपक्षी राजनेताओं के व्यक्तिगत जीवन

की परतें उधेड़ी जाती हैं और कभी सच्चे-झूठे आरोप लगा कर घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया जाता है। विचार नहीं, व्यक्ति को केंद्र में रख कर चुनाव-प्रचार को धार दी जाती है। चुनाव-प्रचार का एक और तरीका 'विक्टिम कार्ड' खेलने का है। अंग्रेज़ी के इस शब्द का अर्थ है अपने साथ होने वाली ज़्यादती की कथा सुना कर मतदाता को प्रभावित करना। यह कोशिश कहां तक जा सकती है, इसका ताज़ा उदाहरण सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार-तंत्र द्वारा प्रधानमंत्री को कहे गये कथित अपशब्दों की संख्या प्रचारित करना है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की एक चुनावी-सभा में इस आकलन का हवाला देते हुए कहा है कि किसी ने गिनती करके बताया है कि विपक्ष अब तक उन्हें इक्यानवे अपशब्द कह चुका है। अपशब्द कहने का मतलब है गाली देना। यह शब्द लिखे जाने तक इन 'गालियों' में एक की वृद्धि हो गयी है। भाजपा के प्रचारक यह कहते फिर रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष के पुत्र ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नालायक बेटा' कह कर आपराधिक काम किया है। इससे पूर्व स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष पर यह आरोप लग चुका है कि उन्होंने भी 'जहरीला सांप' कहा था। मज़े की बात यह है कि इस तरह से शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाना एक पार्टी को बखूबी आता है। 'मौत का सौदागर' या 'हिटलर' जैसे शब्दों को चुनावों में किस तरह से भुनाया जा सकता है इसके उदाहरण पिछले चुनावों में हम देख चुके हैं। सवाल ऐसे अपशब्दों का इस्तेमाल करने की राजनीतिक भूल का उतना नहीं है जितना इस बात का कि हमारी राजनीति का स्तर इतना नीचा क्यों हो गया है? सवाल इस बात का भी नहीं है कि किसने किसको कितने ज़्यादा अपशब्द कहे, सवाल इस बात का है कि नीतियां या कार्यक्रम चुनाव-प्रचार का हिस्सा क्यों नहीं बनते? अपशब्दों की यह राजनीति कुल मिला कर हमारी शानदार जनतांत्रिक परम्परा को कलंकित ही कर रही है। सवाल प्रधानमंत्री अथवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के प्रति अशालीन और अनुचित शब्दों के प्रयोग का नहीं, ऐसे शब्दों को हमारी राजनीति का हिस्सा बनने की शर्मनाक स्थिति का है। यह घटिया राजनीति का उदाहरण है और ऐसी घटिया राजनीति के लिए हमारी जनतांत्रिक परम्परा में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि यह प्रवृत्ति चुनावी-प्रचार के दौरान ही दिखाई देती है, विधान सभाओं और संसद तक में ऐसी घटिया शब्दावली काम में ली जाती है।

सबके मन की बात

अजय दीक्षितपीएम नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की सौंवीं कड़ी पूरी हो गई है। इस अवसर पर देश और विदेश में जिस तरह का उत्साह देखा गया, उससे पता लगता है कि प्रधानमंत्री द्वारा सामान्य व्यक्ति के रोजमर्रा के जीवन को मन की बात में अपनी वार्ता का विषय बनाना निस्संदेह सराहनीय और अभिनव प्रयोग रहा है। प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम में गैर-राजनीतिक मुद्दे उठाए जाते हैं जो सीधे- सीधे आम आदमी के सामाजिक जीवन से जुड़े होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात को सबके मन की बात भी कहा जा सकता है। उन्होंने कहा भी कि मन की बात कोटि-कोटि भारतीयों के मन की बात है। उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास है कि मन की बात आज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आस्था, पूजा और व्रत है, आध्यात्मिक यात्रा है । स्व से समिष्टि और अहम से वयम की यात्रा है। इसका अर्थ है कि मन की बात व्यक्ति से शुरू होकर सार्वभौमिक हो जाना और अहंकार से मुक्त होकर पूर्णता को प्राप्त करना है। मन की बात की सौंवीं कड़ी संयुक्त राष्ट्र से लेकर अमेरिका, इंग्लैंड, यूक्रेन और न्यूजीलैंड तक देखी और सुनी गई। केंद्र और कई राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा ने सौंवीं कड़ी को विराट आयोजन में बदल दिया। पार्टी ने दावा किया है कि करीब चार लाख स्थलों पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव, खादी को लोकप्रिय बनाने और प्रकृति से जुड़े अपने कार्यक्रमों का जिक्र किया। दसवीं और बारहवीं के बोर्ड की परीक्षाओं में छात्रों को होने वाले मानसिक तनाव जैसे मुद्दे भी इस कार्यक्रम में उठाए जाते हैं और तनाव से मुक्त होने के उपाय भी सुझाए जाते हैं। ये सभी वास्तविक मुद्दे हैं, और इनको सभी व्यक्तियों द्वारा राजनीति से परे देखा जाना चाहिए। भले ही विरोधी राजनीतिक दल इस कार्यक्रम की आलोचना करें, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सामान्य जन के मुद्दों को अपने संवाद के केंद्र में लाना सराहनीय पहल है। वास्तविकता तो यह है कि गैर-राजनीतिक मुद्दों को महत्त्व देना भी एक महत्त्वपूर्ण बात है। अहम बात यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी इस मंच का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया। गौर करने वाली बात है कि जब प्रधानमंत्री की सामान्य व्यक्ति से बात होती है, और प्रधानमंत्री द्वारा सामान्य व्यक्ति की उपलब्धियों की चर्चा की जाती है, तो यह समूचा प्रसंग प्रेरक बन जाता है।

गो फर्स्ट,या गो लास्ट

कोई दो दशक पहले देश के आसमान में उड़ान भरने वाली वीडियो ग्रुप की एयरलाइन कंपनी %गो फर्स्ट%अब उड़न छू होने वाली है।यह तब है जब देश आबादी के मामले में सबसे आगे निकल चुका है, लेकिन गो फर्स्ट का इससे कोई लेना-देना नहीं है। कंपनी लगभग दिवालिया होने के कगार पर है. कंपनी का कहना है कि उसके पास इंजन की कमी हो गई है जिसकी वजह से वो कम उड़ाने भर पाएगी. इंजन बनाने वाली कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी ने उसकी सप्लाई बंद कर दी है।

आप यकीन नहीं करेंगे लेकिन आपको यकीन करना पड़ेगा क्योंकि हकीकत ये है कि एयरलाइन के पास पैसे नहीं हैं जिस वजह से वह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के बकाये का भुगतान नहीं कर पा रही है. इन कंपनियों ने उसे तेल देने से मना कर दिया है. इस वजह से एयरलाइन तीन, चार और पांच मई को उड़ान नहीं भरने का फैसला किया है और बुकिंग बंद कर दी है।मजे की बात ये है कि आसमान छोड़ने वाली। गो फर्स्ट और इंजन बनाने वाली प्रैट एंड व्हिटनी एक दूसरे पर मौजूदा हालात के लिए ठीकरा फोड़ रहे हैं और देश में डबल इंजन से सरकारें चलाने वाली देश की बोइंग सरकार मौन है। सरकार इस मामले में कुछ कर भी नहीं सकती, क्योंकि सरकार के पास कुछ है ही नहीं।गो एयरलाइंस (इंडिया) का कहना है कि उसे प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों की लगातार बढ़ती विफलता के कारण समाधान और सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में आवेदन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है जो उसके बेड़े को शक्ति प्रदान करता है। गो फर्स्ट और प्रैट एंड

व्हिटनी एक दूसरे के पूरक हैं। गो फर्स्ट के एयरबस विमान बेड़े के लिए विशेष इंजन आपूर्तिकर्ता है । गो फर्स्ट को प्रैट एंड व्हिटनी के इंटरनेशनल एयरो इंजन, एलएलसी द्वारा आपूर्ति किए गए विफल इंजनों की लगातार बढ़ती संख्या के कारण यह कदम उठाना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप गो फर्स्ट को अपने आधे यानि बेड़े के 25 विमान 1 मई 2023 तक ग्राउंड करना पड़े।

इस मामले में हवा- हवाई मंत्री से लेकर पूरी सरकार मौन है किंतु गो फर्स्ट के मुख्य कार्यकारी कौशिक ने माना कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है लेकिन कंपनी के हितों की रक्षा के लिए इसे किया जाना था.यानि यहां मजबूरी का नाम महात्मा गांधी नहीं कुछ और ही है। गो फर्स्ट एयरलाइन का आरोप है कि प्रैट एंड व्हिटनी के दोषपूर्ण इंजनों के कारण ग्राउंडेड विमानों का प्रतिशत दिसंबर 2019 में 7 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर 2020 में 31 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर 2022 में 50 प्रतिशत हो गया है.ऐसे में प्रैट एंड व्हिटनी को 27 अप्रैल 2023 तक कम से कम 10 सर्विसेबल स्पेयर लीज्ड इंजनों के पहले के आदेशों का पालन करना था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब यदि दिसंबर 2023 तक प्रति माह अतिरिक्त 10 अतिरिक्त लीज इंजन दे तो एयरलाइन अगस्त/सितंबर तक पूर्ण संचालन पर वापस जाने में सक्षम होगी। कौशिक ने दबी जुबान से कहा कि अगर प्रैट एंड व्हिटनी अतिरिक्त पट्टे पर इंजन उपलब्ध कराने में विफल रहता है, और अगले तीन-चार महीनों में इंजन की विफलता की उम्मीद के साथ, गो फर्स्ट के संचालन को अव्यवहारिक बना दिया जाएगा। गो फर्स्ट ने कहा कि उसने सरकार को स्थिति के बारे में बता दिया है और नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को एक रिपोर्ट भेजेगा। आपको बता दें कि गो फर्स्ट में 5 , हजार से अधिक लोग कार्यरत हैं। गो फर्स्ट के बेड़े में 59 विमान हैं, जिनमें से 54 A320neo और पांच ,320 ceo हैं। घरेलू उड़ानों को समृद्ध करने के लिए नवंबर 2005 को मुंबई से अहमदाबाद के लिए गो एयर की पहली फ्लाइट ने उड़ान भरी थी । इस रूट की किसी अन्य एयलाइन के मुकाबले गो फर्स्ट की फ्लाइट के दाम सस्ते थे । इसे देखते हुई कई ग्राहक इसकी तरफ आकर्षित हुए और गो एयर ने लो-कॉस्ट मॉडल पर देश के अलग-अलग मार्गों में विमान सेवाएं शुरू कर दीं ।एक वक्त ऐसा भी आया जब कंपनी परफॉर्मेंस के आधार पर लगातार 15 महीने तक देश की लीडिंग एयरलाइन बनी रही, लेकिन अब कंपनी का वक्त खराब चल रहा है। कंपनी के अच्छे दिन कब आएंगे, ये कोई नहीं जानता। आपको बता दूं कि भारत में इस समय कुल 26 एयरलाइंस घरेलू क्षेत्र में काम कर रही हैं। प्रमुख एयरलाइंस इंडिगो, जेट एयरवेज , स्पाइस जेट, एयर इंडिया,गो फर्स्ट, एयर एशिया,विस्ट्रा एयरलाइंस प्रमुख हैं।

तुकेंडा गांव 719 हाईवे के किनारे युवक का खेत में पड़ा मिला शव, पुलिस ने किया अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज

पुष्पांजली टूडे संवाददाता मालनपुर

मालनपुर। मालनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तुकैड़ा गांव के पास 719 एक युवक की हत्या की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गईद्य जानकारी के अनुसार तिरुपति पेट्रोल पंप के सामने पुलिया के पास खेत में एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिलाद्य घटना की सूचना 9 बजे थाना मालनपुर पुलिस को मिली सुचना मिलते ही थाना प्रभारी जीतेंद्र सिंह मावई पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से पूछताछ की तो मृतक की पहचान पास ही बने मकान मालिक धर्मेंद्र सिंह तोमर उर्फ बंटी पुत्र महेंद्र सिंह तोमर निवासी तुकैडा के रुप में हुईद्य जानकारी मिलते ही नवागत पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री भी पहुंचे मौके पर पहुंचे फॉरेंसिक जांच अधिकारी और डॉग स्कॉट टीम के द्वारा घटनास्थल के आसपास सर्चिंग की गई द्य पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दियाद्य इस पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ,एस डी ओ पी सौरव कुमार, मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई, थाना गोहद चौराहा एवं एंडोरी थाना प्रभारी संयुक्त रूप से मामले की तफ्तीश में लगे हुए हैं द्य एसडीओपी सौरभ कुमार ने बताया कि पुलिस को कुछ ऐसे अहम सुराग लगे हैं जिसके आधार पर जल्द ही हत्या से पर्दा उठाया जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा द्यज्ञात रहे कि धर्मेंद्र की शादी 18 वर्ष पूर्व भिंड के ग्राम गौरा गढ़पारा में राजावत परिवार से हुई थीद्य मृतक के दो बेटा दो बेटी हैं द्य सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि मृतक शराब का आदी था मृतक और उसकी पत्नी में लगभग 10 वर्ष से विवाद चल रहा था जिसको लेकर पत्नी अक्सर मायके में ही रहती थी और अभी और कुछ दिन पहले ही वह अपने बच्चों के साथ ससुराल आई हेद्य मृतक का एक भाई राजेंद्र सिंह तोमर एसएफ में है और उज्जैन में पदस्थ हैं। एस डी ओ पी गोहद सौरभ कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि खुलासा किया जाएगा पुलिस को अहम सबूत हाथ लगे।

आर वी देवराज ने किया विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू. चिकपेट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आर वी देवराज ने चिकपेट क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस विधायक रहते हुए क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के नाम पर लोगों से कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की। देवराज का कई जगहों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने सम्मान किया। इस दौरान युवराज एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने घर घर सम्पर्क कर मतदान की अपील की। इस दौरान विधायक जमीर अहमद खान ने भी सुदृढ़ एवं स्थिर सरकार के लिए कांग्रेस को वोट देने की अपील की।

अवैध मादक पदार्थ (गांजा) का परिवहन करते दो आरोपी गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड (बरोही) । नवागत पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में जिला भिण्ड मे कॉम्बिंग गस्त दिनांक 06- 07 मई 2023 की रात्रि कॉम्बिंग गस्त करायी गयी जिसमें अपराधियों की धरपकड हेतु समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारियो को मुखबिर तन्त्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य मे उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती आकांक्षा जैन के निर्देशानुसार थाना प्रभारी बरोही उपनिरीक्षक बृजमोहन सिंह भदौरिया को दिनांक 07/05/2023 को रात्रि कॉमिंग गस्त के दौरान मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुयी कि दो व्यक्ति मोटरसायकिल पर अवैध मादक पदार्थ लेकर बरोही डोगरपुरा रोड से होते हुये जा रहे है। उक्त सूचना पर से तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी बरोही द्वारा एक टीम बनाकर मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान पर पहुँचें तो प्रायमरी स्कूल के सामने बरोही डोगरपुरा रोड पर एक मोटरसायकिल एमपी 30 जेड ए 2744 पर दो व्यक्ति आते हुये दिखाई दियें। उक्त दोनो व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर मोटरसायकिल छोडकर भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम द्वारा चारों तरफ से घेराबन्दी कर दोनो व्यक्तियों को पकड लिया गया तथा पुलिस टीम द्वारा सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी की तलाशी लेने पर बोरी के अन्दर 05 पैकिट जो कि खाकी रंग के टैप मे लिपटे हुये थे पैकिट खोलने पर उसमें 09 किलो 200 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गाँजा) भरा हुआ मिला। उक्त घटना के सम्बन्ध मे आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ (गाँजा) जप्त किया जाकर थाना बरोही मे अपराध क्र. 31 / 23 धारा 8 / 20 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त अपराध के सम्बन्ध मे आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिसमें और भी खुलासा होने की सम्भावना है।

बरामद मशरुका – गाँजा 09 किलो 200 ग्राम व एक मोटर सायकिल।

कुल बरामद माल - मशरुका की अनुमानित कीमत- 1 लाख 50 हजार रुपये है। बरोही थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बृजमोहन भदौरिया,सहायक उपनिरीक्षक बृजेश सिंह कुशवाह,आरक्षक समरजीत सिंह राजावत,आरक्षक अरविन्द रावत,आरक्षक जयशंकर चौहान, आरक्षक ओमवीर सिंह,आरक्षक अभिमन्यु सिंह तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मध्यप्रदेश उत्तरप्रदेश में सर्वजन न्याय मंच संगठन का हुआ विस्तार

सर्वजन न्याय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष चयन समिति शरद द्विवेदी द्वारा कार्यकारणी का विस्तार करते हुए राखी पाण्डेय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला मंच, संगीता उपाध्याय राष्ट्रीय सचिव शिक्षा मंच, अश्रिता पाठक प्रदेश महामंत्री, गीता दुबे प्रदेश सचिव मध्यप्रदेश, शशि पाठक सभांग उपाध्यक्ष रजनी दुबे सभांगीय महासचिव जबलपुर, मंजू पाण्डेय प्रदेश सचिव उत्तरप्रदेश, प्राची त्रिपाठी प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच, अन्यया राठौर प्रदेश उपाध्यक्ष शिक्षा मंच, मनीष तापडिया प्रदेश महासचिव, सत्य प्रकाश दुबे प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तरप्रदेश सर्वजन न्याय मंच का मनोनीत किया गया है। संगठन के समस्त पदाधिकारियों एवं शुभचिन्तको ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

मप्र विस. की 230 सीटों पर आप लड़ेगी चुनाव : महापौर रानी अग्रवाल

कई लोगों ने आम आदमी पार्टी की ली सदस्यता

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आम आदमी पार्टी देश की तीसरे नंबर की राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी है अब पार्टी ने देश के कई राज्यों में अपना संगठन बढ़ाना प्रारंभ कर दिया है आगामी आने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी दमदारी से चुनाव लड़ेगी जिसकी तैयारी शुरु हो चुकी है इसी के तहत आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष सिंगरौली महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल का भिण्ड में पहली बार आगमन हुआ शहर में प्रवेश से पहले ही उनका जगह जगह स्वागत किया गया जिसके बाद देर शाम शहर के खण्डा रोड़ पर आमसभा में पहुंची जहाँ कार्यकर्ताओं एवं पधाधिकारी सभी ने मिलकर स्वागत किया। जिसके पश्चात् रानी अग्रवाल जी ने सभा को संबोधित किया जिसमें उन्होंने सबसे पहले आप को 10 साल में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने पर सभी को बधाई दी। वहीं उन्होंने बताया कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को एकजुट किया जा रहा है बड़ी संख्या में बूथों पर कार्य हो चुका है। इसके बाद प्रत्येक विधानसभा में कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा जो पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करेगा। उन्होंने आगे कहा कि आप एक ईमानदार पार्टी है जो आंदोलन से निकली है, पार्टी प्रदेश में तीसरे विकल्प के रूप में उभरेगी। प्रदेश में हमारी सरकार बनती है तो हम दिल्ली मॉडल पर यहां काम करेंगे साथ ही प्रदेश के स्थानीय मुद्दों को भी शामिल करेगें। इसके बाद जिलाध्यक्ष अरविन्द जोशी जी ने कहा कि आम आदमी पार्टी जो बोलती है वो करती है। यदि हम सरकार में आने के बाद भी कहा हुआ नहीं कर पाए तो अगले पांच साल बाद आपके पास वोट मांगने नहीं आयेंगे। विधानसभा चुनाव को लेकर श्री जोशी ने कहा कि पार्टी के द्वारा धरातल का सर्वे करके टिकिट दिए जायेंगे। इसी दौरान जिले के कुछ चर्चित चेहरों ने मंच से प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिसमें प्रमुख रूप से समाजसेवी जयदीप सिंह राजावत (फौजी सरकार) भिण्ड , किसान नेता राजीव दीक्षित (म.प्र.किसान सभा पूर्व जिला अध्यक्ष) भिण्ड, महेश सिंह करारिया (भूतपूर्व सैनिक) गोहद, युवा नेता विक्रान्त दीक्षित (नौजवान सभा पूर्व जिला अध्यक्ष) भिण्ड , रामवरन शर्मा (रिटा. शिक्षक) मेहगांव, सहित दो दर्जन लोग शामिल हुए।

आमसभा के दौरान रुचि गुप्ता (प्रदेश उपाध्यक्ष), भानू प्रताप सिंह (प्रदेश प्रवक्ता), मनीक्षा सिंह तोमर (प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग), विक्रम लोधी (प्रदेश अध्यक्ष यूथ विंग), अशोक सिंह जाटव (लोकसभा इंचार्ज) के अलावा उमाशंकर मिश्रा, धीरज गुप्ता, दानवीर दीक्षित,ममता मिश्रा, प्रदीप यादव, योगेंद्र सिंह कुशवाह, मनोहरलाल पटवा, जगदीश सिंह भदौरिया,अतिबल सिंह पटेल, जनक सिंह खन्ना,अब्दुल मजीब, पूरन नागर, जबर सिंह यादव, विजय चौधरी, सत्यनारायण कतरोलिया, प्रशांत थापक, सत्यवीर थापक, अरविन्द उपाध्याय, आशीष गुप्ता, प्रहलाद सिंह, साकेत सक्सेना आदि लोग मंचासीन रहे।

लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की जयंती मनाई

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू । श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी सेवा ट्रस्ट मागड़ी द्वारा आयोजित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी जयंती एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बडी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया ।

पुलिस परिवार के बच्चों का समर कैंप एवं कैरियर काउंसिलिंग का आयोजन पुलिस लाइन में किया गया

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस महानिदेशक भोपाल म.प्र. के निर्देशन में पुलिस कर्मचारियों के बच्चों के शैक्षणिक, शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु सचांलित कार्य योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत समर कैंप व कैरियर काउसलिंग शिविर का भव्य आयोजन पुलिस लाईन भिण्ड में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री की उपस्थिति में कमलेश कुमार खरपुसे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के साथ कार्यक्रम में काउसलिंग हेतु आंमत्रित विभिन्न सेवा एवं विषयों के विषेशज्ञ अतिथि विद्वान भी मंचासीन रहे । अतिथि वक्ताओं के द्वारा उनके विषय से संबंधित थीम पर जिला पुलिस बल भिण्ड के-91, 17 वी वाहिनी विसबल भिण्ड के-22 तथा होमगार्ड के कुल- 4, 05 से 20 वर्ष तक आयु वर्ग के बच्चों / छात्रों को कैरियर हेतु वक्तव्य के माध्यम से काउसलिंग की गई। कार्यक्रम में लगभग 100 की संख्या में बच्चों के पुरूष एवं महिला अभिभावक कर्मचारी / अधिकारीगण भी उपस्थित रहें । काउंसलिंग हेतु आमंत्रित अतिथि विद्वान काउंसलर्स में डॉ. धीरज सिहं गुर्जर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्र. -1 व्यक्तित्व विकास, प्रो. इकवाल अली चौ. दिलीप सिह कन्या महाविद्यायल, जीव विज्ञान विषय पवन शर्मा सहायक संचालक म.प्र. वित्त विभाग एम.पी. पी. एस.सी 2014 बैच सिविल सर्विस एवं गणित विषय आर.सी पाडेण्य प्रिसिंपल शा. उच्च. मा. विद्यायल जमशारा अटेर, अग्रेजी विषय प्रोफेसर सोमवीर शा.एम.जे.एस. कॉलेज भिण्ड फिजिक्स इंजीनियरिंग एवं योगा, दिनेश सिंह भदौरिया लेक्चरर सी.एम. राईज स्कूल क्र. 02 भिण्ड, कानून एव शिक्षा डॉ. देवेश शर्मा जिला चिकित्सालय भिण्ड, मेडीकल साइन्स एंव प्रसिद्ध एथलीट एंव कोच राधेगोपाल यादव किशोरी स्पोर्ट्स क्लब भिण्ड के द्वारा खेलों में छात्रों द्वारा किस प्रकार कैरियर का चयन कर लक्ष्य को प्राप्त किया जाए वक्ताओं द्वारा बच्चों से संवाद प्रश्नोत्तर परिचर्चा क्यूरी एवं तकनीकी बिन्दुओं के साथ इन से संबंधित संस्थानों तथा संचार माध्यमों की जानकारी देकर काउसलिंग की गई।

कैरियर काउंसलिग शिविर में मंच पर डी.एस.पी मुख्यालय श्रीमती आकांक्षा जैन,महिला शाखा की डी.एस.पी. श्रीमती पूनम थापा शर्मा, अजाक शाखा के डी.एस.पी अरविन्द शाह, 17 वी वाहिनी विसबल के एडज्युडेन्ट वंशमणि मिश्रा, जिला कमान्डेट होमगार्ड भिण्ड तथा सूबेदार अखिलेश शर्मा,इन्द्रपाल सिह राठौर,आदित्या मिश्रा पुलिस लाईन के अलावा नगर निरीक्षक कोतवाली शिव सिंह यादव, यातायात प्रभारी निरीक्षक रणजीत सिह सिकरवार, उपनिरीक्षक हितेन्द्र सिहं जादौन, 17 वी वाहिनी विसबल के साथ जिला पुलिस बल एवं होमगार्ड के अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मंचासीन पुलिस राजपत्रित अधिकारियों ने भी अपने अनुभव कैरियर हेतु छात्रों के समक्ष वक्तव्य के माध्यम से प्रस्तुत किये। अंत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बच्चों के कैरियर काउसलिंग हेतु अभिभावकों की भूमिका तथा खास कर माताओं के अहम योगदान को रेखाकित करते हुए अपने उद्बोधन में बच्चों से संवाद किया। कार्यक्रम में इलैक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधी भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन आरक्षक रामकुमार पाडेण्य द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डी.एस.पी. अजाक अरविन्द शाह के द्वारा किया गया।

8 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी मेहगांव पुलिस की गिरफ्त में

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के निर्देशन में एवं एसडीओपी महोदय मेहगांव आर के एस राठौर के मार्गदर्शन में थाना मेहगांव पुलिस द्वारा विगत 8 वर्ष से फरार स्थाई वारंटी को पकड़ा गया ।वारंटी के विरुद्ध विद्युत अधिनियम, आबकारी एक्ट, धारा 138 एनआईए के तहत तीन स्थाई वारंट माननीय न्यायालय द्वारा जारी किए गए हैं । स्थाई वारंटी को ग्राम रायपुरा थाना बरोही से आरोपी की घर से पकड़ा गया। जगरूप पिता रघुनाथ सिंह भदोरिया निवासी रायपुरा थाना बरोही स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी हुई। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र शर्मा उपनिरीक्षक हरजेंद्र सिंह चौहान, सहायक उपनिरीक्षक अशोक तिवारी, राम प्रकाश शर्मा प्रधानआरक्षक प्रदीप पचौरी, प्रदीप सिंह तोमर, गौरीशंकर, पदम सिंह रावत,पदम सिंह, अवधेश सिंह गुर्जर, की मुख्य भूमिका रही ।

पूर्व विधायक को पुष्पांजलि टुडे मैगजीन बुक भेंट की

पुष्पांजलि टुडे - रिपोर्टर खंगारराम मुलेवा

पाली जिला स्थित। मारवाड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक केसाराम चौधरी ने ग्राम गुड़ा मोकमसिंह वेरा खारचिया मुलेवा स्व = श्री भीकाराम ,स्व = श्री ओगड़राम की पुण्यतिथि पर सत्संग आयोजन में पधारकर पुण्यतिथी पर श्रद्धा सुमन भावभीनी श्रध्दांजलि अर्पित की ओर मारवाड़ पूर्व विधायक केसाराम चौधरी को रिपोर्टर खंगारराम मुलेवा ने ईसाली वार्ड मेंबर पोकरराम लचेटा, रामलाल मुलेवा चोलाराम मुलेवा,गेनाराम मुलेवा सुरेश मुलेवा किशोर मुलेवा,चेनाराम मुलेवा, कोनाराम मुलेवा, कैलाश सातपरा, सुरेश वरपा, भंवरलाल, रमेश देवड़ा पारस देवड़ा की उपस्थिति में मैगजीन भेंट की।

म.प्र. जन अभियान परिषद प्रस्फुटन समितियों की बैठक आयोजित

हार्टफुलनेस संस्थान के साथ मिलकर प्रत्येक गांव में दिया जाएगा ध्यान योग का प्रशिक्षण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

मेहगांव । म.प्र. जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन) विकासखंड मेहगांव, द्वारा विकासखंड की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं, नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स की विकासखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवप्रताप सिंह भदौरिया एवं नवागत ब्लॉक समन्वयक जयप्रकाश शर्मा के आतिथ्य में किया गया। रामचन्द्र मिशन/हार्डफुलनेश संस्थान हैदराबाद और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद मध्यप्रदेश शासन के तत्वाधान में अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर प्रत्येक गांव में योग का कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु हार्डफुलनेश संस्थान के साथ विकास खण्ड मेहगांव में प्रत्येक गांव में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने पर जानकारी दी गई। विकासखंड के पांच सेक्टरों के 104 ग्राम पंचायतों के 203 ग्रामों दो नगर परिषद मेहगांव

और गोरमी में योग्य ओर अनुभवी प्रशिक्षकों की टीम प्रति दिन प्रति सेक्टर के तीन तीन गांवों में ध्यान, प्रणायाम और प्रार्थना के साथ साथ नर्सरी विकास, जैविक खेती, नशामुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान, सौर्य ऊर्जा और ऊर्जा बचत, जल संरक्षण, सबके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, रोजगार श्रजन, आदि बिषय पर प्रशिक्षण प्रदान करेगी। प्रत्येक गांव में ध्यान व योग को लगातार संचालित करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता तैयार किए जाएंगे। नवांकुर, प्रस्फुटन समितियों और छात्र/छात्राओं के माध्यम से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दिवस पर हर गाँव योग के लिए प्रशिक्षण के साथ ऑन लाइन पंजीयन कर पोर्टल पर जानकारी अपलोड़ करने का लक्ष्य लिया गया है। इस दौरान, अनिल शर्मा आशीष शर्मा,कमलेश शर्मा, श्यामसुंदर त्यागी, रानी शर्मा, शिव प्रताप नरवरिया, मुकेश कर्ण, कृष्णा बंसल,स्वदेश मिश्रा, सहित उपस्थित 60 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

दोहा डायमंड लीग में अव्वल आए नीरज

दोहा। भारत के शीर्ष भाला फेंक एथलीट और टोक्यो ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग के दोहा चरण में पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन के अपने आयोजन में हिस्सा ले रहे नीरज ने 88.67 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। वह अपने अगले पांच प्रयासों में इस थ्रो को बेहतर नहीं कर सके, हालांकि यह उन्होंने जीत दिलाने के लिए काफी था। टोक्यो ओलंपिक 2020 के रजत पदक विजेता जैकब वडलेच ने 85 मीटर से अधिक के कई प्रयास किए और 88.63 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 85.88 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उल्लेखनीय है कि नीरज पिछले साल डायमंड लीग के लुसाने चरण और ज्यूरिक में हुए फाइनल में अव्वल रहकर डायमंड ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास जून 2022 में डायमंड लीग के स्टॉकहोम चरण में आया जब उन्होंने 89.94 मीटर की दूरी पर भाला फेंका था।

विश्व चैंपियनशिप के शीर्ष-16 में पहुंचे हुसामुद्दीन, नवीन

ताशकंद। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन और नवीन कुमार ने शुक्रवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। हुसामुद्दीन (57 किग्रा) ने अंतिम-16 में जगह बनाने के लिए चीन के ल्यू पिंग को 5-0 से मात दी। नवीन ने 92 किग्रा के शीर्ष-32 मुकाबले में दक्षिण कोरिया के ली संगमिन को 5-0 से परास्त किया। हुसामुद्दीन ने पहले राउंड में मुक्कों की बरसात के साथ गति

हासिल की और फिर बेहतर रणनीति से उसे बनाए रखा। भारत के इस खब्बू मुक्केबाज ने पहला राउंड एकतरफा अंदाज में जीतने के बाद अगले राउंड में बढ़त बनाई और ल्यू के मुक्कों को चकमा देते हुए उन पर जबरदस्त प्रहार किया। चीनी मुक्केबाज हुसामुद्दीन की गति और तीव्रता का मुकाबला नहीं कर सके और अंततः बाउट एकतरफा अंदाज में हार गए। प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हुसामुद्दीन का सामना रविवार को रूस के सविन एडुअर्ड से होगा। दूसरी ओर, हरियाणा के चरखी दादरी के रहने वाले नवीन ने कोरियाई मुक्केबाज के सामने अपनी लंबी पहुंच का फायदा उठाते हुए तीनों राउंड में सभी जजों को प्रभावित किया और 5-0 के एकतरफा अंतर से जीत दर्ज की। वह प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता स्पेन के एमैनुएल रेयेस से भिड़ेंगे। इसी बीच, एशियाई खेलों में रजत पदक जीत चुके आशीष अंतिम-32 दौर के बाउट में दो बार के ओलंपिक चैंपियन क्यूबा के अर्लेन लोपेज़ से 2-5 से हार गए। दो अन्य भारतीय मुक्केबाज शनिवार को अंतिम-32 मुकाबले में भिड़ेंगे। आकाश (67 किग्रा) का सामना चीन के फू मिंगके से जबकि निशांत देव (71 किग्रा) का सामना कोरिया के ली संगमिन से होगा। इस वैश्विक टूर्नामेंट में 107 देशों के 538 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं।

पाकिस्तान पहली बार वनडे रैंकिंग में नंबर-1

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को पांच मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में 102 रन से हरा दिया है। कराची में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 334 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 43.4 ओवर में 232 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इसके साथ ही क्रिकेट इतिहास में पहली बार पाकिस्तान टीम ह्र्छद्ध रैंकिंग में नंबर-1 बन गई है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने शानदार शतकीय पारी खेली। उसके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

केएल राहुल की हर संभव मदद करेंगे : एलएसजी

लखनऊ। चोटग्रस्त केएल राहुल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी मैचों से बाहर रहने पर अफसोस जताते हुय लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने कहा है कि वह स्टार खिलाड़ी की हरसंभव मदद करेगी। संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली एलएसजी ने एक बयान जारी कर कहा रायल सुपर चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ एलएसजी के कप्तान केएल राहुल को चोट लगी थी। कई चिकित्सीय परीक्षण के बाद साफ हुा कि चोट गंभीर है जिसमें सर्जरी की जरूरत होगी। हम इस कठिन समय में केएल को हर संभव सहायता प्रदान करना जारी रख रहे हैं और उसके ठीक होने तक सबसे अच्छी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए उसके साथ काम कर रहे हैं। हालाँकि, चोट के चलते वह इस आईपीएल सीजन् के शेष

भाग शामिल नहीं हो सकेंगे। सुपर जायंट्स को मैदान के अंदर और बाहर उनकी कमी खलेगी, क्योंकि हम लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपना प्रयास जारी रखे हुए हैं। हम केएल को मैदान पर वापस देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते हैं। आशा करते हैं कि वह जल्द से जल्द मैदान पर वापस करेंगे। उल्लेखनीय है कि सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच पिछले हफ्ते लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले की पहली पारी में फील्डिंग करते हुए राहुल को चोट लगी थी। वह उस समय टीम स्टाफ की मदद से मैदान से बाहर चले गये और सुपर जायंट्स की ओर से 127 रन के लक्ष्य का पीछा करने भी नहीं उतरे थे।

गुजरात की सीजन में 7वीं जीत

डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग-16 के 48वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 9 विकेट से हराया। यह लीग में गुजरात की राजस्थान पर चौथी जीत दर्ज की है। अब तक दोनों टीमों के बीच चार ढ्ढक्क मुकाबले खेले गए हैं, इनमें से गुजरात ने 3 और राजस्थान ने एक जीत हासिल की है। इस जीत के साथ हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम ने राजस्थान से अपने घर में मिली पिछली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया है। पिछले मुकाबले में राजस्थान ने गुजरात को अहमदाबाद में 3 विकेट से हराया था। मौजूदा सीजन में गुजरात ने 7वीं जीत हासिल की है। टीम के 14 अंक हो गए हैं और

गुजरात प्लेऑफ में प्रवेश करने से एक जीत दूर है।सवाई मान सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की टीम 17.5 ओवर में 118 रन पर ऑलआउट हो गई। 118 रन का टारगेट गुजरात ने एक विकेट खोकर 13.5 ओवर में हासिल कर लिया।

स्टार स्पोर्ट्स ने आईपीएल के चौथे हफ्ते जोड़े 2.5 करोड़ दर्शक

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टीवी प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने टूर्नामेंट के चौथे हफ्ते में रिकॉर्ड 2.53 करोड़ दर्शक जोड़े हैं। स्टार ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि यह चौथे हफ्ते में टीवी पर दर्शकों के जुडऩे का रिकॉर्ड है। यह 38 मैचों के बाद कुल लाइव दर्शकों की संख्या को 43.4 करोड़ तक ले जाता है, जो कि आईपीएल इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। ब्रॉडकास्टर ने पिछले संस्करण की तुलना में पहले 38 मुकाबलों के लिये टीवी रेटिंग में 27त्न से अधिक की वृद्धि भी देखी है। हिंदी भाषषी बाजारों ने पहले 38 मैचों में 29.1 करोड़ प्रशंसकों के साथ आईपीएल इतिहास में सबसे अधिक दर्शकों की संख्या दर्ज की है। गौरतलब है कि आईपीएल का आयोजन 31 मार्च से 28 मई के बीच किया जा रहा है। टूर्नामेंट के टीवी प्रसारण के अधिकार डिज़्नी स्टार के पास हैं, जबकि रिलायंस जियो इस बार डिजिटल प्रसारण कर रहा है।

राजस्थान के खिलाफ गुजरात की आसान जीत

जयपुर। राशिद खान (14/3) और नूर अहमद (25/2) की घातक स्पिन से राजस्थान रॉयल्स को मात्र 118 रन पर समेटने के बाद रिद्धमान साहा (41 नाबाद), शुभमन गिल (36) और कप्तान हार्दिक पांड्या (39 नाबाद,15 गेंद) की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने खेला। आईपीएल मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया। राशिद और नूर की अफगानी जोड़ी के आगे राजस्थान के बल्लेबाज असहाय नजर आये और मेजबान टीम इस सीजन का अपना सबसे छोटा स्कोर ही बना सकी। बाद में छोटे से लक्ष्य का पीछा गुजरात ने आक्रामक अंदाज में किया। पहले विकेट के लिये 71 रन दसवें ओवर में ही आ गये थे जबकि शुभमन के बाद बल्लेबाजी करने उतरे पांड्या ने राजस्थान के गेंदबाजों की निर्ममता से पिटाई की और लक्ष्य को 37 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

पांड्या ने अपनी तूफानी पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाये। इसके साथ ही गत विजेता गुंजरात दस मैचों में सात जीत दर्ज कर 14 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज है। इससे पहले हार्दिक पांड्या ने टीम को पहली सफलता दिलाते हुए दूसरे ओवर में जॉस बटलर को आठ रन पर पवेलियन लौटाया। पहला झटका लगने के बाद यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ने दूसरे विकेट के लिये 37 रन जोड़े, हालांकि यह मैच में रॉयल्स की एकमात्र महत्वपूर्ण साझेदारी थी। जायसवाल 11 गेंद पर एक चौके और एक छक्के के साथ 14 रन बनाकर पावरप्ले के आखिरी ओवर में रनआउट हो गये, जबकि सैमसन 20 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के के साथ 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रॉयल्स ने सात ओवर में 60 रन पर तीन विकेट ही गंवाये थे, हालांकि मध्य ओवरों में राशिद और नूर की जोड़ी ने मेजबान टीम की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। राशिद ने रविचंद्रन अश्विन और रियान पराग को के विकेट लेकर अपना खाता खोला, जबकि नूर ने देवदत्त पडिक्कल (12) और ध्रुव जुरेल (नौ) को पवेलियन भेजा। शिमरन हेटमायर (सात) ने संयम के साथ 13 गेंदें खेलकर सूझबूझ का परिचय दिया लेकिन राशिद ने अपने आखिरी ओवर में उन्हें भी चलता किया। रॉयल्स के आठ विकेट 96 रन पर गिरने के बाद ट्रेंट बोल्ट ने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया, हालांकि वह भी 11 गेंद पर 15 रन ही बना सके। ऐडम ज़ैम्पा के रनआउट होने के साथ 17.5 ओवर में रॉयल्स की पारी समाप्त हुई। शमी, हार्दिक पांड्या,और जोश लिटल को एक-एक विकेटहासिल हुआ।

संजू सैमसन को सपोर्ट करने लुंगी में पहुंचे फैन

जयपुर। जयपुर के स्स्र्स स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए मैच में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को हरा दिया। दोनों ही टीमों के लिए मुकाबला काफी अहम था। फैंस को कड़े मुकाबले की उम्मीद थी। हालांकि मुकाबला करीब-करीब एक तरफा रहा। राजस्थान रॉयल्स को घर में करारी हार मिली। वहीं जयपुर के क्रिकेट फैन मौलाना शाहिद जाफरी 17 किलो चांदी की ज्वेलरी पहनकर मैच देखने पहुंचे। अब तक दोनों टीमों के बीच चार ढ्ढक्क मुकाबले खेले गए हैं, इनमें से गुजरात ने 3 और राजस्थान ने एक जीत हासिल की है। गुजरात टाइटंस इस जीत के साथ पॉइंट टेबल में टॉप पर बनी रहेगी। राजस्थान रॉयल्स पॉइंट टेबल में नंबर 4 पर मौजूद है। इससे पहले गुरुवार को प्रैक्टिस के दौरान राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल और गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा की मुलाकात खास रही।

कैमरामेन को लगी बॉल, राशिद पहुंचे हाल पूछने

रनआउट हुए यशस्वी-जम्पा, हार्दिक ने लगाए एक ओवर में 3 छक्के

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) की डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस (त्रञ्ज) ने शुक्रवार रात एकतरफा मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 9 विकेट से हरा दिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की, टीम 118 रन पर ही ऑलआउट हो गई। गुजरात ने एक ही विकेट खोकर 13.5 ओवर में टारगेट चेज कर लिया। मैच में कैमरामेन को बॉल लगी तो गुजरात के स्पिनर राशिद खान उनका हाल पूछने पहुंचे। राजस्थान का दूसरा और आखिरी विकेट रन आउट के रूप में गिरा। राजस्थान ने इस सीजन पहली पारी का सबसे छोटा स्कोर बनाया। गुजरात के कप्तान हार्दिक पंड्या ने एक ही ओवर में 24 रन बनाए। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस

खबर में हम जानेंगे। मैच में पहली पारी के दौरान ट्रेंट बोल्ट ने 11 बॉल पर 15 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया। 16वें ओवर की तीसरी बॉल पर उनका 73 मीटर लंबा छक्का मिड-विकेट बाउंड्री के बाहर खड़े कैमरामेन को जा लगा। पारी खत्म होने के बाद गुजरात के लेग स्पिनर राशिद खान कैमरामेन के पास गए और उनका हाल पूछा। गुजरात टाइटंस की ओर से सवाई मान सिंह स्टेडियम में बेहतरीन फील्डिंग देखने को मिला। अच्छी फील्डिंग की वजह से राजस्थान के दो महत्वपूर्ण खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल और एडम जम्पा को रन आउट किया। मोहित शर्मा की अच्छी फील्डिंग पर पहले यशस्वी रन आउट हुए। मैच का छठा ओवर गुजरात की ओर से राशिद खान कर रहे थे।

किशन-सूर्य की जोड़ी ने मुंबई को जीत दिलाई

मोहाली। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (41 गेंद, 75 रन) और सूर्यकुमार यादव (31 गेंद, 66 रन) के तूफानी अर्धशतकों की बदौलत मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के आतिशबाजी से भरे मुकाबले में बुधवार को पंजाब किंग्स को सात विकेट से मात दी। पंजाब ने लायम लिविंगस्टन (82 नाबाद) के तूफानी अर्द्धशतक और जितेश शर्मा (49 नाबाद) के साथ उनकी शतकीय साझेदारी से मुंबई के सामने 215 रन का विशाल लक्ष्य रखा। सूर्यकुमार और किशन के अर्धशतकों ने हालांकि 18.5 ओवर में ही मुंबई को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। किशन लंबे समय से खराब फॉर्म के कारण आलोचनाओं का शिकार हो रहे थे, लेकिन मुंबई के दो महत्वपूर्ण विकेट 54 रन पर गिरने के बाद उन्होंने सूर्यकुमार के साथ 116 रन की शतकीय साझेदारी की। यह दोनों बल्लेबाज मुंबई को जीत दिलाने से पहले आउट हो गए, जिसके बाद टिम डेविड (19 नाबाद) और तिलक वर्मा (26 नाबाद) ने मेहमान टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मुंबई नौ मैचों में पांच जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि पंजाब 10 मैचों में पांच जीत के बाद सातवें स्थान पर है। मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और अरशद खान ने दूसरे ओवर में युवा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (सात गेंद, नौ रन) को पवेलियन लौटा दिया। शिखर धवन और मैथ्यू शॉर्ट ने दूसरे विकेट के लिये साझेदारी बुनना शुरू की और पंजाब ने पावरप्ले में 50 रन जोड़ लिये। धवन और शॉर्ट के बीच दूसरे विकेट के लिये 49 रन की साझेदारी हुई। धवन 20 गेंद पर पांच चौकों सहित 30 रन बनाकर आउट हो गये, हालांकि मैथ्यू शॉर्ट को तेजी से रन बनाने के लिये संघर्ष करना पड़ा। धवन का विकेट चटकाने वाले पीयूष चावला ने 12वें ओवर में शॉर्ट (26 गेंद, 27 रन) को भी पवेलियन चलता किया। पारी के 12वें ओवर तक पंजाब को 99 रन पर रोककर मुंबई अच्छी स्थिति में थी, लेकिन लिविंगस्टन और जितेश की आतिशी शतकीय साझेदारी ने मुंबई की मेहनत पर पानी फेर दिया। जोफ्रा आर्चर ने 13वें ओवर की पहली गेंद पर नो बॉल फेंककर जितेश को हाथ खोलने का मौका दिया। जितेश ने फ्री हिट पर चौका जड़ा जिससे उनकी आतिशी पारी शुरू हुई। दूसरे छोर पर लिविंगस्टन ने 32 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा करने के बाद 19वें ओवर में आर्चर को लगातार तीन छक्के जड़े। लिविंगस्टन ने 42 गेंद पर सात चौकों और चार छक्कों के साथ 82 रन की पारी खेलकर जितेश के साथ 119 रन की साझेदारी की। जितेश हालांकि सराहनीय प्रयास के बावजूद अपना अर्द्धशतक पूरा नहीं कर सके और 27 गेंद पर पांच चौकों एवं दो छक्कों सहित 49 रन बनाकर नाबाद रहे। आकाश मधवाल ने आखिरी ओवर में मात्र नौ रन देते हुए पंजाब की तूफानी पारी को शांत अंत दिया। आकाश ने अपने तीन ओवर में कुल 37 रन दिये और उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। चावला ने चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट चटकाये, जबकि अरशद ने चार ओवर में 48 रन देकर एक सफलता हासिल की। आर्चर चार ओवर में 56 रन देकर मुंबई के सबसे महंगे गेंदबाज रहे। विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान रोहित शर्मा पहले ही ओवर में शून्य रन पर आउट हो गए। कैमरन ग्रीन ने 18 गेंद पर चार चौकों की मदद से 23 रन की पारी खेली लेकिन पावरप्ले समाप्त होते ही नेथन एलिस ने उन्हें पवेलियन भेज दिया। मुंबई तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी। इससे पहले कि पंजाब के स्पिनर मुंबई पर हावी होते, किशन और सूर्यकुमार ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। सूर्यकुमार ने नौंवे ओवर में राहुल चाहर को चौका जड़कर 10 रन जोड़े, जबकि किशन ने 10वें ओवर में हरप्रीत बराड़ को एक चौका और एक छक्का लगाने के बाद 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। सूर्यकुमार ने भी 13वें ओवर में सैम करन के खिलाफ 16 रन बटोरकर 23 गेंद में पचासा जड़ा।

ऋतिक रोशन की कृष 4 का निर्देशन करेंगे करण मल्होत्रा

सिद्धार्थ आनंद बने सह-निर्माता

ऋतिक रोशन की सुपरहीरो फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त कृष 4 काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई। फिल्म अभी शुरू नहीं हुई है, लेकिन इसकी कहानी और संभावित निर्देशक के बारे में खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं। पहले जहां सिद्धार्थ आनंद के फिल्म का निर्देशन करने की बात सामने आई थी तो अब करण मल्होत्रा को इसकी कमान सौंप दी गई है, वहीं आनंद इसके सह-निर्माता होंगे। हालांकि, अभी तक इस बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। सूत्र के अनुसार, शमशेरा और अग्निपथ जैसी फिल्म का निर्देशन करने वाले मल्होत्रा सुपरहीरो फ्रेंचाइजी में कृष 4 के निर्देशक के तौर पर शामिल होंगे। सूत्र के मुताबिक, राकेश रोशन और ऋतिक का मानना है कि मल्होत्रा फ्रेंचाइजी में एक नई जान फूंकेंगे और इसे बेहतरीन ढंग से बनाएंगे। राकेश ने फिल्म की मूल कहानी पर काम कर लिया है और वह अब पटकथा पर काम कर रहे हैं। मल्होत्रा जल्द ही फिल्म की टीम में शामिल होंगे।रिपोर्ट के अनुसार, आनंद ऋतिक के बैनर फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस के साथ मिलकर फिल्म का सह-निर्माण करेंगे। इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आनंद को कृष 4 निर्देशित करने के लिए चुना गया है, लेकिन जल्द ही राकेश ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए इन्हें गलत बताया था। आनंद इससे पहले ऋतिक के साथ बैंग बैंग और वॉर में काम कर चुके हैं। दोनों अब जल्द फाइटर लेकर आने वाले हैं, जिसमें दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं। राकेश ने बीते दिनों एक साक्षात्कार के दौरान फिल्म के बारे में बात की थी और बताया था कि अभी फिल्म को बनाने में समय लगेगा। फिल्म पर काम 2024 के अंत में ही शुरू होगा। उन्होंने फिल्म की कहानी को लेकर बताया था कि इसमें ऐसे कॉन्सेप्ट का इस्तेमाल हो रहा है, जो अभी तक शायद अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी नहीं आजमाया गया होगा। साथ ही फिल्म में पिता-पुत्र के बीच भावनात्मक कहानी को बखूबी से दिखाया जाएगा। सुपरहीरो फ्रेंचाइजी का पहला भाग कोई मिल गया 2003 में आया था, जिसमें ऋतिक और प्रीति जिंटा मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद 2006 में कृष आई, जिसमें ऋतिक के साथ प्रियंका चोपड़ा की जोड़ी बनी। दोनों 2013 में आई कृष 3 में भी थे। आनंद के साथ ऋतिक की फाइटर जनवरी 2024 में रिलीज होगी। इसके बाद वह वॉर 2 में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन अयान मुखर्जी करेंगे और जूनियर एनटीआर भी इसका हिस्सा हो सकते हैं। ऋतिक आखिरी बार विक्रम वेधा में दिखे थे, जो असफल रही थी। इसी तरह मल्होत्रा रणबीर कपूर के साथ शमशेरा लाए थे, जो भी बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई। अब दोनों एक बार फिर अग्निपथ (2012) के बाद साथ काम करने जा रहे हैं।

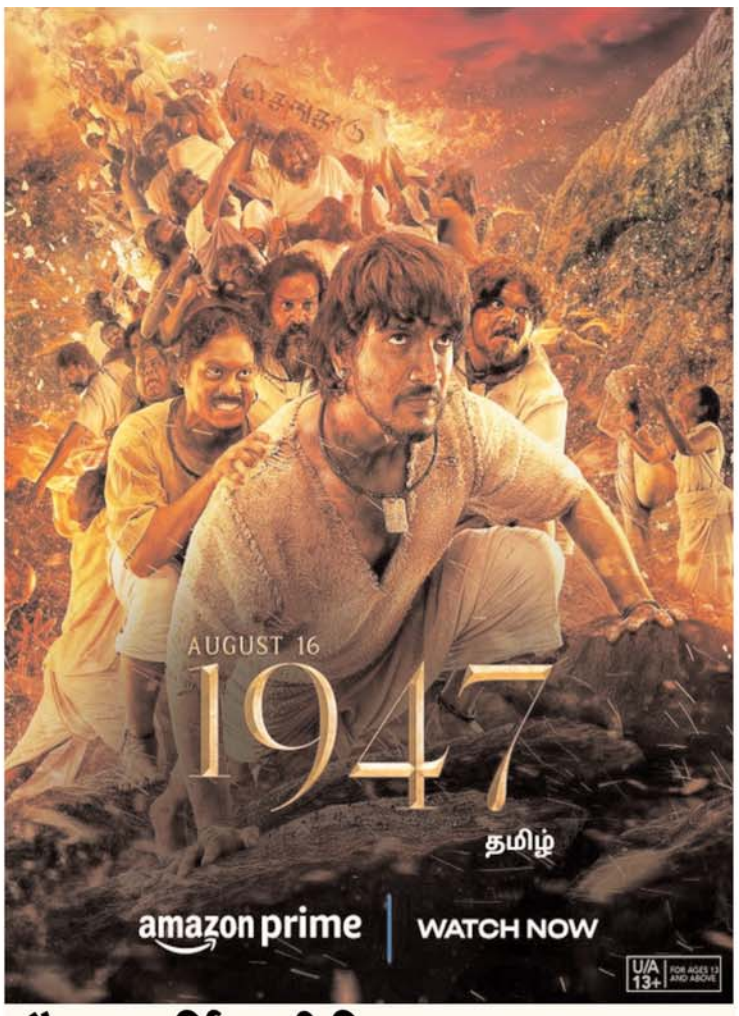

गौतम कार्तिक की फिल्म 16 अगस्त, 1947 ने अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर निर्देशक एआर मुरुगादॉस की 16 अगस्त, 1947 ने 7 अप्रैल को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इसमें गौतम कार्तिक अहम भूमिका में हैं। अब 16 अगस्त, 1947 ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे दी है। प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, स्वतंत्रता संग्राम के बीच दमन, अलगाव और प्रेम की इस कहानी का अनुभव करें। फिल्म की कहानी आजादी मिलने के एक दिन बाद की हालत पर आधारित है, जैसा कि शीर्षक से जाहिर है। 16 अगस्त, 1947 में एक पूर्ववर्ती गांव की आकर्षक कहानी दिखाई गई है, जहां एक बहादुर व्यक्ति भारतीय स्वतंत्रता के दौरान अपने प्यार के लिए ब्रिटिश ताकतों से लड़ता है। इसमें गौतम के अलावा रेवती और पुगाज भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। 16 अगस्त, 1947 को आप तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी, मलयालम और अंग्रेजी भाषाओं में देख सकते हैं।

पूजा समारोह के बाद विजय देवरकोंडा की वीडी12 आधिकारिक तौर पर लॉन्च

अभिनेता विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म, जिसका अस्थायी शीर्षक वीडी12 है को एक पूजा के साथ आधिकारिक तौर पर लॉन्च की गई। एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन जर्सी के निर्माता गौतम नायडू तिन्ननुरी करेंगे और इसमें श्रीलीला भी हैं, जो किस, पेली संदा और धमाका जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं।सीथारा एंटरटेनमेंट्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने विजय, श्रीलीला, गौतम और कई अन्य की तस्वीरें साझा कीं। फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर भी साझा की गई।ट्वीट में कहा गया वीडी12 आधिकारिक तौर पर आज पूजा समारोह के साथ लॉन्च किया गया, जून 2023 से शूट शुरू होगा।शूटिंग जून से शुरू होगी। फिल्म से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया गया हैं।

भाग्यश्री की बेटी अवंतिका करने जा रहीं बॉलीवुड डेब्यू

यू शेप की गली में आएंगी नजर

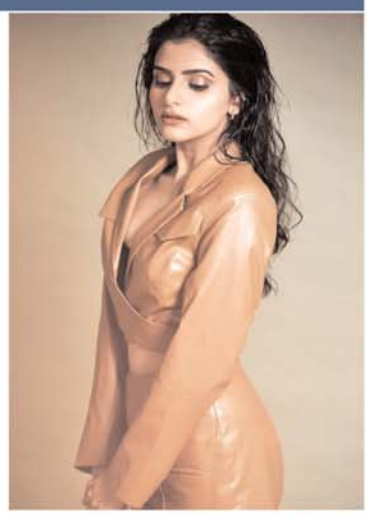

1989 में आई फिल्म मैंने प्यार किया से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वालीं दिग्गज अभिनेत्री भाग्यश्री आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अब भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी भी बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। अविनाश दास द्वारा निर्देशित अवंतिका की पहली फिल्म का नाम यू शेप की गली है और फिल्म की शूटिंग लखनऊ में शुरू हो गई है। यू शेप की गली एक रोमांटिक संगीतमय फिल्म बताई जा रही है, जो सोशल ड्रामा पर आधारित होगी। यू शेप की गली में अवंतिका के अलावा विवान शाह और जावेद जाफरी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अवंतिका के किरदार का नाम फिल्म में शबनम है। अवंतिका ने पिछले साल जी5 की मिथ्या के साथ अपना डिजिटल डेब्यू किया था, जिसमें हुमा कुरैशी और परमब्रता चटर्जी ने भी अभिनय किया था। गौरतलब है कि भाग्यश्री हाल ही में अपने बेटे अभिमन्यु और पति हिमालय के साथ फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आई थीं।

वरुण धवन के साथ मानाडु के रीमेक से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे रवि तेजा?

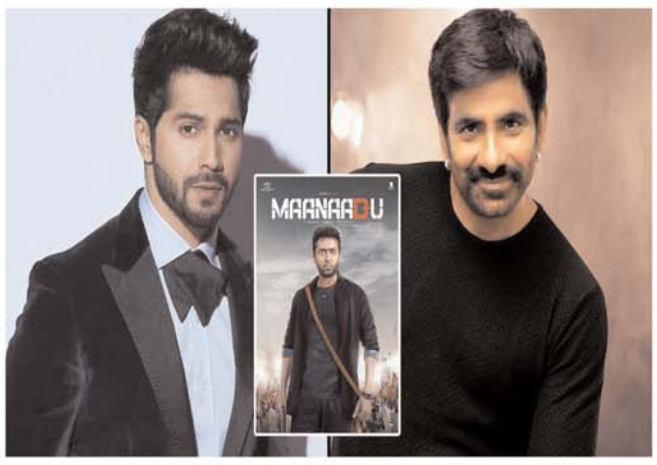

बॉलीवुड में इन दिनों साउथ की फिल्मों के रीमेक का दौर चल रहा है। भोला, गुमराह, विक्रम वेधा, सेल्फी, शहजादा और दृश्यम 2 जैसी फिल्मों के बाद अब एक और रीमेक बनने वाली है। खबरों के मुताबिक, 2021 में आई तमिल फिल्म मानाडु के हिंदी रीमेक से रवि तेजा बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म को हिंदी और तेलुगू में रीमेक किया जा रहा है, जिसमें रवि के साथ वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बॉलीवुड में पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर रीमेक फिल्मों का हाल बेहाल नजर आ रहा है। अजय देवगन की दृश्यम 2 को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर फिल्में असफल ही साबित हुई हैं। 7 अप्रैल को रिलीज हुई आदित्य रॉय कपूर की गुमराह पहले ही दिन ढेर हो गई और भोला का प्रदर्शन ठीक-ठाक चल रहा है। अब मानाडु के रीमेक का प्रदर्शन इस बात पर निर्भर करेगा कि फिल्म अपनी मूल फिल्म से कितनी अलग होगी। रवि और वरुण की इस फिल्म के बारे में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। साथ ही निर्देशक, प्रोडक्शन कंपनियों और बाकी कलाकारों के बारे में भी कोई अपडेट नहीं मिला है। कहा जा रहा है कि फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना है और जल्द निर्माता इसकी घोषणा करेंगे। बता दें कि यह वरुण की तीसरी रीमेक फिल्म होगी। इससे पहले वह कुली नंबर 1 और जुड़वा 2 के रीमेक में नजर आ चुके हैं। मानाडु एक तमिल साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन वेंकट प्रभु ने किया है। इसकी कहानी मुख्यमंत्री की जनसभा के दिन एक आदमी और एक पुलिस अधिकारी के टाइम लूप में फंस जाने पर आधारित है, जो कोशिश करने के बाद भी इससे बाहर नहीं निकल पाते और उन्हें बार-बार एक ही दिन को जीना पड़ता है। फिल्म में सिलम्बरासन, एसजे सूर्या और कल्याणी प्रियदर्शन मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म सोनी लिव पर उपलब्ध है। वरुण हाल ही में भेड़िया में कृति सैनन के साथ नजर आए थे, लेकिन उनकी फिल्म असफल साबित हुई। पिछले साल अभिनेता कियारा आडवाणी के साथ जुग जुग जियो में दिखे थे, जो ठीक-ठाक कमाई करने में सफल रही थी। अब वह जाह्नवी कपूर के साथ बवाल में नजर आने वाले हैं, जो इसी साल अक्टूबर में रिलीज होगी। इसके अलावा रवि की रावणासुर इसी शुक्रवार को रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों की ओर से बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है। साउथ सिनेमा के बहुत से सितारों ने पिछले साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है, जिनमें रश्मिका मंदाना, विजय देवरकोंडा और नागा चैतन्य शामिल हैं। अब पृथ्वीराज सुकुमारन बड़े मियां छोटे मियां और नयनतारा जवान में नजर आने वाली हैं।

सलमान-शाहरुख टाइगर 3 में करेंगे जबरदस्त एक्शन

जल्द शुरू होगी शूटिंग

वर्ष 2023 के बीते 4 महीनों में कई हिन्दी फिल्मों का प्रदर्शन हुआ लेकिन सफलता सिर्फ पठान (आल टाइम ब्लॉकबस्टर), तू झूठी मैं मक्कार (सुपर हिट) और किसी का भाई किसी की जान (हिट) को मिली। इन तीन फिल्मों की सफलता ने बॉलीवुड का समग्र ट्रैक रिकॉर्ड बेहतर बना रखा है। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम अभिनीत, सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी पठान अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिन्दी फिल्म बन गई है। इस फिल्म की सफलता में कई चीजें शामिल थीं, उनमें से एक सलमान खान की कैमियो उपस्थिति थी, जिसने टाइगर की अपनी भूमिका को दोहराया। जिस तरह से उन्होंने पठान (शाहरुख खान) को बचाया और जिस तरह से दोनों बदमाशों से लड़ते हैं, उसने देश भर के सिनेमाघरों में एक उन्माद पैदा कर दिया।सलमान खान की टाइगर-3 इस वर्ष दीपावली के अवसर प्रदर्शित होने जा रही है। यह सामान्य ज्ञान है कि सलमान खान स्टारर इस फिल्म में पठान अतिथि भूमिका में दिखाई देंगे। नतीजा बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धूम धड़ाका, जिसकी उम्मीद पूरे हिन्दी फिल्म उद्योग को है। समाचारों के अनुसार सलमान खान और शाहरुख खान को लेकर फिल्माया जाने वाला दृश्य मई के दूसरे सप्ताह से शुरू होने जा रहा है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार शाहरुख खान 8 मई से टाइगर-3 के अपने कैमियो का शूट शुरू करने वाले हैं। शाहरुख और सलमान 8 मई से उक्त सीक्वेंस के लिए शूटिंग करेंगे। फिल्मांकन वाईआरएफ (यश राज फिल्म्स) स्टूडियो में होगा और लगभग 5 से 7 दिनों तक चलने की उम्मीद है।मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित टाइगर 3 में सलमान खान के साथ कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी सह-कलाकार हैं। बताया जा रहा है कि मनीष और निर्माता आदित्य चोपड़ा ने इस दृश्य के लिए व्यापक तैयारी की है। वे जानते हैं कि पठान में शाहरुख खान और सलमान खान के बीच के सीक्वेंस को दर्शकों ने खूब सराहा है। टाइगर 3 के साथ, निर्माताओं को दोस्ती और पागलपन को एक कदम आगे ले जाने की उम्मीद है। इस सीन को शूट करने के लिए वरू मेंबर्स में पहले से ही उत्साह साफ देखा जा सकता है। पठान को दुनिया भर में इतना प्यार मिला है, यह टीम टाइगर 3 के लिए एक बूस्टर शॉट साबित हुआ है !पठान और टाइगर 3 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स से संबंधित हैं। फ्रेंचाइजी की शुरुआत कबीर खान निर्देशित एक था टाइगर (2012) से हुई, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया था। इसके बाद अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित टाइगर जिंदा है (2017) आई। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित ऋतिक रोशन-टाइगर श्रॉफ स्टारर वॉर (2019) भी वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स से संबंधित है। पठान और टाइगर 3 के बाद, फ्रेंचाइजी की आगामी फिल्मों में वॉर 2 शामिल है, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर, और टाइगर बनाम पठान, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं।टाइगर-3 और टाइगर बनाम पठान के मध्य में सलमान खान सम्भवत- करण जौहर के बैनर की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि मई में टाइगर-3 की शूटिंग पूरी होने के बाद वे करण जौहर की फिल्म के प्री प्रोडक्शन को शुरू करेंगे। कहा तो यह भी जा रहा है कि सलमान खान इसे आगामी वर्ष ईद के मौके पर प्रदर्शित करने की योजना बना सकते हैं। हालांकि इसकी उम्मीद बहुत कम है। सलमान करण जौहर को हाँ कहते हैं उसके बाद 2-3 माह का समय प्री प्रोडक्शन में जाएगा अर्थात् फिल्म का शूट सितम्बर से शुरू होगा। ऐसे में यह उम्मीद बेमानी नजर आती है कि यह फिल्म ईद पर प्रदर्शित होगी।

सोनाक्षी लगाएंगी दहाड़, शेरनी बनकर लौटेंगी सुष्मिता; ओटीटी पर दिखेंगे महिलाओं के अलग-अलग रूप

महिलाओं के जज्बे को बयां करतीं कई फिल्में और वेब सीरीज दर्शकों के बीच आ चुकी हैं, जो यह साबित कर चुकी हैं कि महिलाओं के लिए नामुमकिन कुछ भी नहीं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी महिलाओं का बोलबाला खूब देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में नारी शक्ति का प्रदर्शन करतीं कई वेब सीरीज दर्शकों के बीच आने वाली है। दहाड़ से लेकर आर्या 3 तक इसी फेहरिस्त में शामिल हैं।सोनाक्षी सिन्हा फिल्मों में काम करने के बाद अब वेब पर भी अपनी शुरुआत कर रही हैं। उनकी पहली वेब सीरीज है दहाड़। वह इसमें पुलिस की वर्दी पहन 27 महिलाओं की मौत की गुत्थी सुलझाती दिखेंगी, जिनकी शिकायत कभी दर्ज नहीं की गई। इनका पड़ताल करने का जिम्मा सीरीज में अंजना भाटी बनीं सोनाक्षी पर होगा। जोया अख्तर इस सीरीज की निर्माता हैं। यह क्राइम ड्रामा सीरीज 12 मई को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है। सास बहू और फ्लेमिंगो इस बात को आगे ले जाती है कि युद्ध में एक महिला से ज्यादा शक्तिशाली कुछ भी नहीं। डिंपल कपाडिया की यह सीरीज हमें उन महिलाओं से परिचित कराती है, जो निडर हैं, लचीली हैं और अपनी पसंद को आगे रखने से डरती नहीं हैं। यह नई सास, बहू और बेटी की एक्शन से भरपूर उस लड़ाई को दिखाती है, जो उनके हक की रक्षा के लिए है। सीरीज 5 मई से डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। हीरामंडी को निर्देशक संजय लीला भंसाली ने बनाया है। खास बात यह है कि इसके जरिए भंसाली डिजिटल जगत में कदम रखने वाले हैं। यह उनकी पहली वेब सीरीज है, जिसे भव्य और शानदार बनाने के लिए उन्होंने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। यह एक महिला प्रधान सीरीज है, जिसमें मनीषा कोइराला से लेकर ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख जैसी कई अभिनेत्रियां दिखाई देंगी। यह इसी साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। सुष्मिता सेन की आर्या 3 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। आप ये सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख सकेंगे। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इसमें आर्या पहले से ज्यादा निडर, बेखौफ और दमदार अवतार में दिखेंगी। वह अपने परिवार को अपराध की दुनिया से बचाने के लिए शेरनी बनकर पर्दे पर लौटेंगी। सीरीज का निर्देशन राम माधवानी ने किया है और संदीप मोदी इसके निर्माता हैं। इसका टीजर दर्शकों को बेहद पसंद आया था। यह भी एक महिला केंद्रित सीरीज है, जिसमें काजोल मुख्य भूमिका में हैं। यह मूल रूप से लोकप्रिय अमेरिकी सीरीज द गुड वाइफ का भारतीय रूपांतरण है। इसमें काजोल एक वकील का किरदार निभाने वाली हैं। काजोल इसमें एक गृहिणी बनी हैं, जिसका पति एक कांड के चक्कर में जेल पहुंच जाता है। इसके बाद काजोल को वकील बनकर सामने आना पड़ता है और फिर कहानी आगे बढ़ती है। सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी यह सीरीज डिज्नी+हॉटस्टार पर आएगी।

ग्वालियर-भिण्ड-इटावा मेमू स्पेशल गाड़ी सं. 01891/92 का शुभारम्भ

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

इंटीग्रेटेड इन्फॉर्मेशन सिस्टम (आईपीआईएस) का हुआ शुभारम्भ

भिण्ड । दिनांक 07/05/2023 को भिण्ड- दतिया सांसद श्रीमति संध्या राय द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति कामना सिंह भदौरिया की उपस्थिति में गाडी संख्या 01891/92 ग्वालियर- इटावा- ग्वालियर मेमू स्पेशल के साथ साथ भिंड स्टेशन पर नव संस्थापित इंटीग्रेटेड पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम (आईपीआईएस) का शुभारम्भ किया गया। सांसद श्रीमती संध्या राय क्षेत्र के उच्चीकरण में निरंतर योगदान प्रदान करती चली आ रहे हैं, और इस क्षेत्र से जुड़े यात्री सुविधाओं का निरंतर उच्चीकरण कुशल नेतृत्व से ही संभव हो रहा है ।

क्षेत्रीय जनता को प्रदान की जा रही सुविधाओं में बड़ोतरी के क्रम में ग्वालियर - भिंड - इटावा के मध्य यात्रा करने वाले यात्रियों को गाडी सं 01891/92 ग्वालियर- इटावा- ग्वालियर मेमू स्पेशल (नयी रेल सेवा) और भिंड स्टेशन पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की सौगात प्राप्त हो रही है, जिसका शुभारम्भ भिण्ड - दतिया सांसद श्रीमती संध्या राय के द्वारा सम्पन्न हुआ। इस नयी रेल सेवा के सञ्चालन से इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन और शिक्षा स्तर में बड़ोतरी होगी, गाड़ी संख्या 01891/01892 ग्वालियर- भिण्ड - इटावा- ग्वालियर अनारक्षित मेमू स्पेशल का आज उद्घाटन विशेष फेरा है 7 दिनांक 08/05/2023 से यह गाडी अपने नियमित समय सारणी से संचालित की जाएगी 7 मेमू स्पेशल ग्वालियर से समय 17 ⁼ 30 बजे प्रस्थान कर बिरलानगर, भद्रोली, शनीचरा, रिठोराकलां, मालनपुर, नोनेरा, रायतपुरा, गोहद रोड, सोंधा रोड, सोनी, अशोखर, इतिहार, भिंड, फूफ, उदिमोर ठहराव लेते हुए समय 21 ⁼ 30 बजे अपने गंतव्य स्टेशन इटावा पहुचेगी 7 वापसी में इटावा से समय- 07 ⁼ 10 बजे प्रस्थान कर इटावा ङ्क ग्वालियर के मध्य सभी स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए समय 11 ⁼ 30 बजे अपने गंतव्य स्टेशन ग्वालियर पहुचेगी। भिंड स्टेशन पर 61 लाख 53 हजार रुपये की लागत से संस्थापित आइपीआईएस सुविधा से यात्रियों को स्टेशन पर गाड़ियों के आवागमन की सूचना के साथ-साथ उनके कोचों की वास्तविक स्थिति की जानकारी सहजता से प्राप्त हो सकेगी,आईपीआईएस आरडीएसओ के नए मानक पर आधारित है। ये सफेद चमकीले रंग में ट्रेनों और कोचों की जानकारी को प्रदर्शित करते हैं 7 जिन्हें यात्रीगण काफी दूर से ही आसानी से देख कर खुद को अपने कोच के अनुसार लोकेट कर सकते है। भारतीय रेल सदैव ही आधुनिकतम सुविधायें प्रदान करने हेतु प्रयासरत है, साथ ही सुखमय यात्रा एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है ढ्ढ झाँसी मंडल, भारतीय रेल के महत्वपपूर्ण अंग के रूप में अपने सभी सम्मानित रेल उपयोगकर्ताओं की सेवा में निरन्तर तत्पर है। मंडल द्वारा निरंतर यात्री सुविधाओं की बड़ोतरी तथा उच्चीकरण किया जा रहा है। श्री आशुतोष ने अपने संबोधन में बताया कि क्षेत्रीय विकास के क्रम में सोनी, गोहद व भिंड स्टेशन पर उपलब्ध समपार फाटक को आरओबी/आरयूबी में परिवर्तित किया जाने का कार्य स्वीकृत किया गया है, शीघ्र ही यह कार्य प्रारंभ कर लिया जाएगा, इसके अतिरिक्त भिंड स्टेशन पर 22 करोड़ की लागत से माल गोदाम विकसित करने की भी स्वीकृति प्राप्त हो गई है जो कि क्षेत्र के औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में मंडल प्रशासन की ओर से मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक शशिकांत त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलीकॉम अभियंता (समन्वय) अमित गोयल, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) आशुतोष चौरसिया, वरिष्ठ मंडल अभियंता (नॉर्थ) सुधीर कुमार, वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता नितिन कुमार गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार संबोधन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशिकांत त्रिपाठी द्वारा किया गया।

एसपी ग्वालियर ने पुलिस लाइन में नवनिर्मित "पुलिस कैफेटेरिया" का किया शुभारंभ

पुलिसकर्मियों को मिलेगा सस्ती दरों पर अच्छा भोजन व नाश्ता

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे द्वारा पुलिस लाइन ग्वालियर में ''पुलिस कैफेटेरिया''(टी केंटीन) का रिबन काटकर शुभारंभ किया गया। उक्त ''पुलिस कैफेटेरिया''(टी कैंटीन) खोलने की योजना तत्कालीन एसपी ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे द्वारा बनाईद्ध थी, जिसका कार्य अति. पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे के मार्गदर्शन उनके समय में ही प्रारम्भ हो गया था। ''पुलिस कैफेटेरिया''(टी केंटीन) के शुभारंभ अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे, अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश दंडोतिया, अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान, सीएसपी लश्कर श्री षियाड़ के.एम.,भापुसे, डीएसपी लाइन श्री विजय भदौरिया, एसडीओपी बेहट हिना खान, डीएसपी यातायात श्री नरेश बाबू अन्नोटिया, श्री विक्रम सिंह कनपुरिया, श्री बैजनाथ प्रजापति, रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह सहित पुलिस के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें। ''पुलिस कैफेटेरिया'' (टी केंटीन) में उपस्थित अधिकारियों ने नाश्ता व भोजन भी टेस्ट किया और उपलब्ध कराई जा रही क्वालिटी की प्रशंसा की तथा क्वालिटी को बनाये रखने के निर्देश भी दिये।

आज से प्रारम्भ की गई ''पुलिस कैफेटेरिया'' (टी केंटीन) में नाश्ता, भोजन, फास्ट फूड्स एवं पेय पदार्थ रियायती दरों पर मिलेगा। कैंटीन में भोजन केवल 60 रुपये में उपलब्ध होगा तथा अन्य खाने पीने की वस्तुएं भी बाजार रेट से कम दरों पर मिलेंगी। ऐसे पुलिस अधिकारी व कर्मचारी जो कि परिवार से दूर रहकर होटलों में खाने खातें हैं उन्हे अब पुलिस लाइन में बनाई गई ''पुलिस कैफेटेरिया'' (टी केंटीन) में ही खाना व नाश्ता मिल सकेगा। पुलिस लाइन में ''पुलिस कैफेटेरिया'' (टी कैंटीन) बनाने का मुख्य उद्देश्य बाहर से स्थानांतरण पर आने वाले पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को पुलिस लाइन में ही अच्छा भोजन व नाश्ता मिल सके। पुलिस लाइन में बनाये गये ''पुलिस कैफेटेरिया''(टी केंटीन) में स्वल्पाहार को सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज, कॉफी एवं टी वेंडिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, वाटर कूलर सहित अन्य सुविधाएं रखी गई हैं। इसमें 30-40 लोगों के एक साथ बैठकर भोजन या नाश्ता करने की व्यवस्था की गई है।

उज्जैन स्थानांतरण होने पर रक्षित निरीक्षक ग्वालियर श्री रणजीत सिंह को दी गई विदाई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- पुलिस कंट्रोल रूम सभागार ग्वालियर में रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह का स्थानांतरण ग्वालियर से उज्जैन होने पर मुख्य रूप से अति0 पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन श्री डी.श्रीनिवास वर्मा,भापुसे एवं *पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे की उपस्थिति में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे, अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश दंडोतिया, अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान, सीएसपी लश्कर श्री षियाड़ के.एम.,भापुसे, डीएसपी लाइन श्री विजय भदौरिया, सीएसपी महाराजपुरा श्री रवि भदौरिया, सीएसपी ग्वालियर श्री संदीप मालवीय, एसडीओपी बेहट हिना खान, डीएसपी यातायात श्री नरेश बाबू अन्नोटिया, श्री विक्रम सिंह कनपुरिया, श्री बैजनाथ प्रजापति तथा थाना प्रभारीगण एवं अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें। विदाई समारोह में एडीजीपी ग्वालियर जोन ने कहा कि श्री रणजीत सिंह भोपाल में उनके अधीनस्थ सूबेदार के पद पर थे और उनके अन्दर काम करने का जुनून और हौसला है, उनके द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों को हमेशा सर्वोपरि माना है। एसपी ग्वालियर ने भी रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि वह एक अच्छे पुलिस अधिकारी हैं और हमेशा अच्छे से अच्छा करने की लगातार कोशिश करते रहते हैं। अति. पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे ने भी स्थानांतरित हुए रक्षित निरीक्षक की कार्यकुशलता को सराहा। उपस्थित अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी श्री रणजीत सिंह के ग्वालियर के कार्यकाल की सराहना की। विदाई समारोह के अंत में एडीजीपी ग्वालियर जोन एवं एसपी ग्वालियर द्वारा रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह को स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र देकर नवीन पदस्थापना की बधाई देते हुए विदाई दी और उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारियों ने भी पुष्प गुच्छ व माला पहनाकर रक्षित निरीक्षक श्री रणजीत सिंह को स्थानांतरण पर विदाई दी। कार्यक्रम के अंत में अति. पुलिस अधीक्षक शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे ने एडीजीपी ग्वालियर जोन का अमूल्य समय निकालकर विदाई समारोह में आने के लिये आभार व्यक्त किया।

वार्ड 18 में महापौर डॉ सिकरवार ने किया विकास कार्यों का भूमि पूजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। महापौर श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार ने वार्ड 18 के अंतर्गत दंडोतिया मार्केट क्षेत्र में आयोजित महापौर निधि से एक करोड़ अठारह लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़कों के निर्माण कार्य के भूमिपूजन किया। इस अवसर पर ग्वालियर पूर्व विधानसभा के विधायक श्री सतीश सिंह सिकरवार , पार्षद श्रीमती रेखा त्रिपाठी, श्री राजा भदौरिया, श्री कल्लू तोमर, श्री योगेन्द्र सिंह नोनेरा, श्री सागर नाती, श्री विश्वनाथ सिंह सहित सभी सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नारद जी की तरह करें जनकल्याणकारी पत्रकारिता : डॉ. शुक्ल

-आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती पत्रकारिता सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। जिस तरह से त्रिलोक के पहले पत्रकार देवर्षि नारद ने लोगों की भलाई के लिए काम किया, इसी तरह से समस्याओं को उठाते हुए हमें जनकल्याणकारी पत्रकारिता करना चाहिए। हालांकि विरोधियों ने नारद मुनि के चरित्र को विकृत कर दिया था, लेकिन उनका उद्देश्य हमेशा भलाई रहा। आज पत्रकारों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है। पत्रकार का काम सनसनी नहीं समस्या का समाधान कराना है। यह बात उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदी साहित्य भारती डॉ.रवीन्द्र शुक्ल ने बाल भवन सभागार में आयोजित आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती पत्रकारिता सम्मान एवं संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। मामा माणिकचंद वाजपेयी स्मृति सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार हरिमोहन शर्मा थे। अध्यक्षता न्यास के अध्यक्ष दीपक सचेती ने की। चयन समिति के अध्यक्ष दिनेश चाकणकर एवं कार्यक्रम संयोजक राजीव अग्रवाल भी मंचासीन थे। मुख्य वक्ता डॉ.शुक्ल ने कहा कि पत्रकार समाज हित में सत्य का साथ दें, लेकिन ऐसी पत्रकारिता न करें जिससे भारत का अहित हो। उन्होंने कहा कि देश में आज जातिवाद, सांप्रदायिकता सहित कई समस्याएं विस्फोटक स्थिति में है। ऐसे में सकारात्मक पत्रकारिता बहुत जरूरी है। श्री शुक्ल ने मनु स्मृति और श्रीमद् भगवत गीता का उद्धरण देते हुए कहा कि मनुष्य जन्म से शूद्र पैदा होता है। कर्म के आधार पर जाति व्यवस्था तय होती थी। उन्होंने रामायण की चौपाई का उदाहरण देते हुए कहा कि ताडऩा का अर्थ प्रताडऩा नहीं है, बल्कि देखभाल करना और विशेषरूप से ध्यान देना है। चयन समिति में शामिल दिनेश चाकणकर, प्रवीण दुबे, बलराम सोनी एवं विनय अग्रवाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

VEDANTA PVT. INDUSTRIAL TRAINING INSTITUTE
कौशले बलम्
MEHGAON, BHIND

वेदांत (प्रा.) I.T.I.

ट्रेड :- इलेक्ट्रीशियन, फिटर

योग्यता 10वीं पास

Mob. 7694927881, 7999312951

भिण्ड रोड, मेहगाँव, जिला भिण्ड (म.प्र.)

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478